विद्या भवन खोज-ख़बर

वर्ष–3 | अंक–7 | अप्रैल–जून, 2015

www.vidyabhawan.org

नई सदी में तर्कशील और वैज्ञानिक सोच वाली संस्था बने विद्या भवन

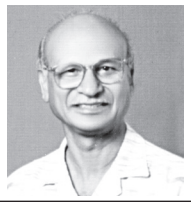

रियाज़ तहसीन
निवर्तमान अध्यक्ष, विद्या भवन सोसायटी

विद्या भवन वास्तव में एक स्वैच्छिक सामाजिक संस्था है। यह समाज के लिए समाज के द्वारा चलाई जा रही है। हमारी फिक्र यह नहीं है कि यहाँ कैसे विद्यार्थी या प्रशिक्षणार्थी आते हैं, फिक्र यह है कि यहाँ से कैसे ज़िम्मेदार नागरिक निकलते हैं। इसलिए विद्या भवन के सामने सबसे बड़ी चुनौती है कि शिक्षा की गुणवत्ता और उपलब्धता में संतुलन कैसे स्थापित किया जाए।

विद्या भवन के विचारों में गहरा विश्वास रखने वाले कुछ पूर्व छात्र-छात्राओं द्वारा करीब डेढ़ दशक के प्रयासों के बाद 1993 में एक नई शुरुआत की गई; श्री जगत सिंह मेहता विद्या भवन सोसायटी के अध्यक्ष चुने गए। तब हमने नई सदी के परिप्रेक्ष्य में विद्या भवन के मूल विचार को समझना शुरू किया। सात वर्ष जगत साहब के साथ और पाँच वर्ष श्री ए.सी. वधावन के साथ बतौर उपाध्यक्ष तथा गत दस वर्षों से बतौर अध्यक्ष विद्या भवन की सेवा करते हुए इस समझ को आगे ले जाने की कोशिश की है। इन 22 वर्षों में विद्या भवन में नई प्रायोजनाएँ संचालित की गईं और नई संस्थाओं की स्थापना हुई। साथ ही कई राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं के साथ साझेदारी में उल्लेखनीय कार्य किए गए; और यह प्रक्रिया जारी है।

नई संस्थाएँ

विद्या भवन शिक्षा सन्दर्भ केन्द्र (स्थापना 1995) वर्तमान में पाँच राज्यों में कार्यरत है। विद्या भवन स्थानीय स्वशासन एवं उत्तरदायी नागरिकता संस्थान (स्थापना 1997) ने उदयपुर ज़िले में पंचायती राज व्यवस्था के तहत निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के क्षमतावर्द्धन और महिला जनप्रतिनिधियों में आत्मविश्वास के साथ अपनी राजनैतिक भागीदारी सुनिश्चित करने का सराहनीय कार्य किया है। विद्या भवन पब्लिक स्कूल (स्थापना 2001) अंग्रेजी माध्यम का विशिष्ट स्कूल बनकर उभर रहा है। विद्या भवन गाँधी शिक्षा अध्ययन संस्थान (स्थापना 2008) ने शिक्षकों में स्वराज और सस्टेनेबल लिविंग की भावना को विकसित किया है; यहीं गाँधी शान्ति प्रतिष्ठान का केन्द्र स्थापित किया गया है। पर्यावरण के प्रति लगाव और प्रतिबद्धता का उदाहरण प्रकृति साधना केन्द्र है, जिसके 400 एकड़ वन क्षेत्र को गत साठ वर्षों से संरक्षित किया गया; जगत साहब के स्वैच्छिक योगदान से यहाँ 2009 में केन्द्र निर्मित किया गया। विद्या भवन कला संस्थान में बी.एस.टी.सी. शुरू किया गया।

युवा नेतृत्व

नई सदी के पहले डेढ़ दशकों में विद्या भवन की आधी संस्थाओं में युवाओं ने नेतृत्व सम्भाला। ख़ास बात यह है कि ये युवा नेतृत्व संस्थाओं के कार्यकर्ताओं के बीच से ही उभरा है। इनके साथ ही हर संस्था में ऐसे कई कार्यकर्ता सामने आए हैं जिनका विद्या भवन से गहरा जुड़ाव है और उन्होंने आगे बढ़कर कई ज़िम्मेदारियाँ निभाई हैं; इन्हीं कार्यकर्ताओं के ज़रिए विद्या भवन का विचार इस सदी का सफर तय करेगा।

हीरक जयन्ती का हासिल

विद्या भवन की हीरक जयन्ती 2006 में मनाई गई। वर्ष भर के विविध आयोजनों में 'सतत् प्रयास' शीर्षक से बनी डॉक्यूमैण्ट्री और जगत साहब का लिखा 'विजन डॉक्यूमैण्ट' उल्लेखनीय हैं। इसी क्रम में डॉ. हृदयकान्त दीवान और डॉ. वेद्दान सुधीर के सम्पादन में '21वीं सदी में भारत के सरोकार' शीर्षक पुस्तक प्रकाशित की गई। मेरा अनुरोध है कि हमारी सभी संस्थाओं में 'सतत् प्रयास' हर वर्ष दिखाई जाए, इसी प्रकार 'विजन डॉक्यूमैण्ट' और पुस्तक हर संस्था

शेष पृष्ठ 16 पर...

संस्थापक डॉ. मोहन सिंह मेहता का स्मरण

विद्या भवन के संस्थापक 'भाई साहब' डॉ. मोहन सिंह मेहता की 120वीं जयन्ती की पूर्व संध्या पर 19 अप्रैल को 'राजनीति एवं नागरिक समाज में बदलते सम्बन्ध' पर वरिष्ठ राजनैतिक समीक्षक नीरजा चौधरी ने व्याख्यान दिया। यह आयोजन विद्या भवन सोसायटी, सेवा मन्दिर और डॉ. मोहन सिंह मेहता मेमोरियल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। विद्या भवन विद्या बन्धु संघ की ओर से 20 अप्रैल को 'स्नेह मिलन समारोह' हुआ, जिसकी मुख्य अतिथि पूर्व शिक्षिका नफीसा बानू थीं एवं अध्यक्षता विद्या बन्धु एवं हिन्दुस्तान ज़िंक लिमिटेड के सी.एस.आर. सलाहकार चन्द्र सिंह आर. मेहता ने की। सेवानिवृत्त शिक्षिकाओं व कर्मचारी तथा सत्र 1979–80 में उत्तीर्ण विद्यार्थियों का सम्मान किया गया; साथ ही 'विद्या बन्धु मुखपत्र' के 27वें अंक का विमोचन किया गया।

'भाई साहब' की पुण्यतिथि पर 29 जून को मूर्ति–स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की गई।

अंदर देखें...

- ✓ कैफ, निमिशा, परम रहे अव्वल 3
- ✓ नन्हें हाथ, स्वच्छता के साथ 4
- ✓ पूर्व विद्यार्थियों का सम्मान 7
- ✓ घासा के विद्यार्थियों का नेचर ट्रिप 8
- ✓ द्विवर्षीय बी.एड. पाठ्यक्रम पर मंथन 9
- ✓ बिना मिट्टी के उगेंगी सब्ज़ियाँ! 13
- ✓ हज़ीरा में बनाई वर्कशीट 14
- ✓ भाषा शिक्षण की तैयारी 15

सम्पादकीय...

विद्या भवन खोज-ख़बर का 7वां अंक आपके पास है। विद्या भवन की विभिन्न संस्थाओं द्वारा जो प्रयास किए जाते हैं उसकी एक झलक आपको खोज-ख़बर के अंक में देखने को मिलती है। खोज-ख़बर के माध्यम से उनके इन प्रयासों को आप तक पहुँचाने में हमें हर्ष हो रहा है। आशा है आप उनके कार्यों की सराहना करेंगे ताकि उनका हौसला बढ़े, उनके प्रयासों में और निखार आए, साथ ही उनका आत्मविश्वास भी बढ़े। विद्या भवन की संस्थाएँ विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से अभ्यार्थियों को सीखने के मौके उपलब्ध करवा रही हैं। इससे समाज में विद्या भवन के प्रति सकारात्मक सोच बन रही है। इसलिए स्थानीय से राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की संस्थाएँ विद्या भवन के साथ कार्य करने में रुचि दिखा रही हैं। खोज-ख़बर को लेकर हमें पाठकों की प्रतिक्रियाएँ मिल रही हैं। इसके लिए धन्यवाद! इन प्रतिक्रियाओं के फलस्वरूप खोज-ख़बर को और बेहतर बनाने की ओर अग्रसर हैं। हमारे रिपोर्टर्स् की क्षमतावर्द्धन का प्रयास भी निरन्तर जारी है। हाल ही में उन्होंने पत्रकारों के साथ बेहतर समाचार के लिए अपनी दृष्टि को पैना किया है।

सलाहकार
हृदय काँत दीवान

संपादन
हिमालय तहसीन ✦ गिरीश शर्मा
अंजना राव

ले-आउट, डिजाइनिंग
एस.एम. इकराम

विद्या भवन अकादमिक सलाहकार समिति

गत त्रैमास में अकादमिक सलाहकार समिति की एक बैठक 21 अप्रैल को विद्या भवन शिक्षा सन्दर्भ केन्द्र के सभागार में हुई। समिति के अध्यक्ष प्रो. कमल महेन्द्रू ने बताया कि स्कूलों में नामांकन बढ़ाने के लिए एक समिति गठित की गई है। सदस्यों ने 'वर्ड ऑफ माउथ' को सबसे प्रभावी माना, वहीं पैम्फ्लेट व एस.एम.एस. के सुझाव भी आए। सदस्यों का मानना था कि इस प्रक्रिया में सभी कार्यकर्ताओं को शामिल किया जाना चाहिए। जनसाधारण के साथ संवाद में विद्या भवन के लक्ष्य और दर्शन को उभारने, विशिष्टताओं पर ज़ोर देने की आवश्यकता है- जैसे कि बेहतर शिक्षा, कक्षा के बाद भी सपोर्ट, समुचित शिक्षक-विद्यार्थी अनुपात, सह-शैक्षिक गतिविधियाँ, बच्चे के व्यक्तित्व का समग्र विकास, प्राकृतिक सौन्दर्य से परिपूर्ण कैम्पस और साधन-सम्पन्न विद्यालय। सभी संस्थाओं की वार्षिक योजना अपने-अपने समूह में और सोसायटी के स्तर पर साझा की जाए तथा स्थायी रूप से होने वाली गतिविधियों का माहवार अंकन हो। भावी विद्यार्थियों के अभिभावकों के लिए 'ओपन हाउस' के आयोजन और नामांकन के लिए सोसायटी के स्तर पर समिति बनाने की संभावना को तलाशा जाएगा।

प्राचार्या नीरजा जैन ने बताया कि पब्लिक स्कूल में आठ नए विषय जोड़े गए हैं। प्राचार्या प्रो. दिव्यप्रभा नागर ने बताया कि शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में बी. एससी. एवं बी.एड. का इण्टीग्रेटेड डिग्री प्रोग्राम शुरू करने पर विचार किया जा रहा है। व्यवस्था सचिव एस.पी. गौड़ ने स्कूल व कॉलेज को कौशल विकास एवं रोज़गार संबंधी पाठ्यक्रम जोड़ने का सुझाव दिया।

डॉ. भगवती अहीर ने बताया कि फैकल्टी डवलपमैण्ट प्रोग्राम में पुस्तक समीक्षा, प्रोजेक्ट प्रपोज़ल बनाना आदि विषयों को शामिल किया गया है। शालाओं में मूल्यांकन प्रक्रिया पर कार्यशाला की आवश्यकता है। प्रो. कमल महेन्द्रू ने कहा कि संस्थाओं को अपने स्तर पर फैकल्टी डवलपमैण्ट की वार्षिक योजना बनाकर समिति को भेजनी चाहिए। उन्होंने बताया कि सांख्यिकी के लिए आई.आई.एम. की फैकल्टी को चिह्नित किया गया है, स्कूली शिक्षकों के लिए सतत् एवं समग्र मूल्यांकन का दूसरा चरण शुरू किया जाएगा तथा शिक्षकों में द्विभाषी क्षमतावर्द्धन के लिए शिक्षा सन्दर्भ केन्द्र ने एक वर्ष का सर्टिफिकेट कोर्स तैयार किया है जो शीघ्र उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने संस्था प्रधानों से आग्रह किया कि गत सत्र की समीक्षा एवं आगामी सत्र की योजना बना कर प्रेषित करें। साथ ही भावी योजना के 'कार्यक्रम एवं वित्तीय समीक्षा' को अन्तिम रूप देकर सोसायटी के स्तर पर लक्ष्य निर्धारण किया जाएगा।

रिपोर्टर : डॉ. दीपक गुप्ता

पाठकों के पत्र

महोदय,

'विद्या भवन खोज ख़बर' जनवरी-मार्च 2015 की पत्रिका प्राप्त हुई! बड़े ही अच्छे तरीके से ये पत्रिका तैयार की गई है, इसके लिए आप बधाई के पात्र हैं। इस संबंध में अपने सुझाव भेज रहा हूँ यदि उचित लगे तो इसमें समावेश करने का प्रयास करें। विद्या भवन में 13 संस्थाए हैं। इन संस्थाओं के समाचारों को प्रत्येक अंक में क्रमशः स्थान देना उचित होगा एवं उनकी विशेष गतिविधियों का वर्णन करें तथा विस्तार के नए आयाम संस्था के आधार पर लिखें ताकि पाठकों को संस्था के बारे में पूरी जानकारी रहे। विशेष सूचना जो सभी संस्थाओं के संबंध में हो, अलग से प्रकाशित करें। संस्थाओं की विशेष घटनाओं को और कार्यक्रमों को इसमें लिखना आवश्यक है। शिक्षा के संबंध में देश और राज्य की नीतियों में परिवर्तन को हमारी संस्थाएं किस प्रकार ले रही हैं, ये भी व्यक्त करना चाहिए। शैक्षणिक तथा अन्य गतिविधियों की जानकारी जैसे कि संस्था में प्रवेश संख्या एवं परिणाम, वार्षिक परीक्षा के परिणाम आदि को भी इसका हिस्सा बनाया जाना चाहिए। एक लेख विद्या भवन के संबंध में किसी अधिकारी का अथवा किसी विशिष्ट व्यक्ति या अध्यक्ष के विचार प्रकाशित करें ताकि शिक्षा के प्रति उनके विचारों की जानकारी हो सके।

बी. एल. मंत्री, वरिष्ठ इंजीनियर एवं सदस्य, साधारण सभा, विद्या भवन सोसायटी

विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल

कैफ़, निमिशा व परम रहे अव्वल

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान अजमेर द्वारा आयोजित बोर्ड परीक्षा सत्र 2014-15 में आयोजित की गई। बोर्ड कक्षाओं के परीक्षा परिणाम निम्नानुसार रहे-

	कक्षा-10	कक्षा-12		
		वाणिज्य	कला	विज्ञान
परीक्षार्थी	63	54	32	38
परिणाम	90.47%	87.03%	71.87%	97.36%
प्रथम	32	28	08	22
द्वितीय	21	19	14	15
तृतीय	04	00	01	00

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान की ओर से आयोजित बोर्ड परीक्षा में कक्षा 12वीं विज्ञान वर्ग में छात्र मोहम्मद कैफ़ शेख ने 88.20 प्रतिशत अंक प्राप्त कर कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया। कैफ ने गणित विषय में 100 में से 99 अंक प्राप्त किए । वाणिज्य वर्ग में छात्रा निमिशा सिंह चौहान ने 83.40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार, कला वर्ग में छात्र परम निमावत ने 79.80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

कक्षा 10वीं में छात्र अनिल कुमार मीणा ने 90.67 प्रतिशत अंक प्राप्त कर कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया। अनिल ने गणित विषय में 100 में से 100 अंक प्राप्त किए।

बोर्ड परीक्षाओं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाली - कक्षा 12वीं वाणिज्य की छात्रा निमिशा सिंह चौहान, प्रिया कुँवर राजपूत तथा विज्ञान वर्ग की छात्रा निशा बंशीवाल को इस वर्ष गार्गी पुरूस्कार दिया जाएगा।

मेवाड़ ज्ञान परीक्षण प्रतियोगिता

उदयपुर के 463 वें स्थापना दिवस पर नगर निगम एवं उदयपुर समारोह समिति के संयुक्त तत्वाधान में मेवाड़ ज्ञान परीक्षण प्रतियोगिता सेंट्रल ऐकेडमी स्कूल में हुई। विद्यालय के कक्षा-11 के शाहनवाज़ हुसैन ने 44 प्रतिभागी में से तृतीय स्थान प्राप्त किया। इन्हें पारितोषिक दिया गया।

प्रश्न-पत्र निर्माण पर समूहों में चर्चा

विद्या भवन सोसायटी द्वारा गठित फैकल्टी डवपलमैण्ट कमेटी द्वारा सतत् एवं समग्र मूल्यांकन विषय पर आयोजित कार्यशाला में विद्यालय के संकाय सदस्यों ने भाग लिया। पाँच दिवसीय कार्यशाला में विषयवार प्रश्न-पत्रों के निर्माण, अंक निर्धारण एवं मूल्यांकन पर समूहों में चर्चा की गई और अपनी समझ को विकसित किया गया।

विद्यालय नामांकन

विद्यालय में नामांकन बढ़ाने के लिए मई एवं जून में विद्यालय प्रचार-प्रसार समिति के सदस्यों ने शहर व आस-पास स्थित गाँवों में अभिभावकों से सम्पर्क किया। सदस्यों ने पैम्फ्लेट्स भी वितरित किए और विद्यालय की विशिष्टताओं के बारे में बताया।

एन.सी.सी., योग कैम्प

विद्यालय के 7 एन.सी.सी. केडेट्स ने सी.ए. टी.सी. योग कैम्प में भाग लिया। कैम्प टी. पी.टी. आर्मी एरिया में लगा। विद्यालय के 15 एन.सी.सी. केडेट्स ने विश्व योग दिवस पर गांधी ग्राउण्ड पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया।

मधुलिका कोठारी प्राचार्या बनीं

विद्यालय में नवीन प्राचार्या के रूप में मधुलिका कोठारी ने कार्यभार ग्रहण किया। पूर्व में वे विद्यालय भवन माध्यमिक विद्यालय झामरकोटड़ा एवं विद्याभवन उच्च माध्यमिक विद्यालय रामगिरि में प्राचार्या के पद पर अपनी सेवाएं दे चुकी हैं।

बड़ी मार्ग पर स्कूल बस का संचालन

जूनियर स्कूल में सत्र 2015-16 में नामांकन बढ़ाने के लिए एक योजना बना कर आस-पास के क्षेत्रों में संपर्क किया गया। डेढ़ महीने के इस प्रयास में संकाय सदस्यों ने एक डेटा बैंक तैयार किया है। स्कूल की प्रवेश समिति ने सभी संभावित अभिभावकों से बात की और उनके बच्चों को जूनियर स्कूल में प्रवेश के लिए प्रोत्साहित किया। वड़ला बडी मार्ग पर अभिभावकों की मांग पर स्कूल की बस संचालित करने का निर्णय लिया गया। यहां से कई अभिभावकों ने अपने बच्चों को जूनियर स्कूल में भर्ती करवाने की इच्छा जताई थी। प्रवेश के लिए सेवा मंदिर और उससे जुड़ी अन्य संस्थाओं से भी संपर्क किया गया।

सी. सी. ई. कार्यशाला में भाग लिया

जूनियर स्कूल की अध्यापिका रेज़िना ने सी.सी.ई. पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया। कार्यशाला का आयोजन विद्या भवन शिक्षा संदर्भ केन्द्र की ओर से किया गया।

रिपोर्टर : नारायण लाल आमेटा

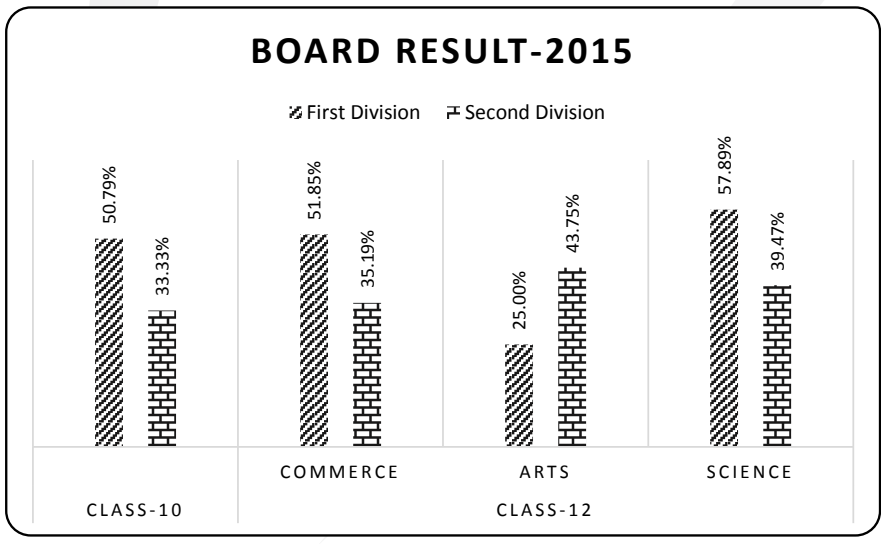

विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल, रामगिरि

परीक्षा परिणाम : 2014–15

	कक्षा-10	कक्षा-11		कक्षा-12
		कला	वाणिज्य	कला
परीक्षार्थी	42	16	12	20
परिणाम	85.71%	100%	91.66%	100%
प्रथम	11	7	4	9
द्वितीय	20	7	5	11
तृतीय	5	2	2	00

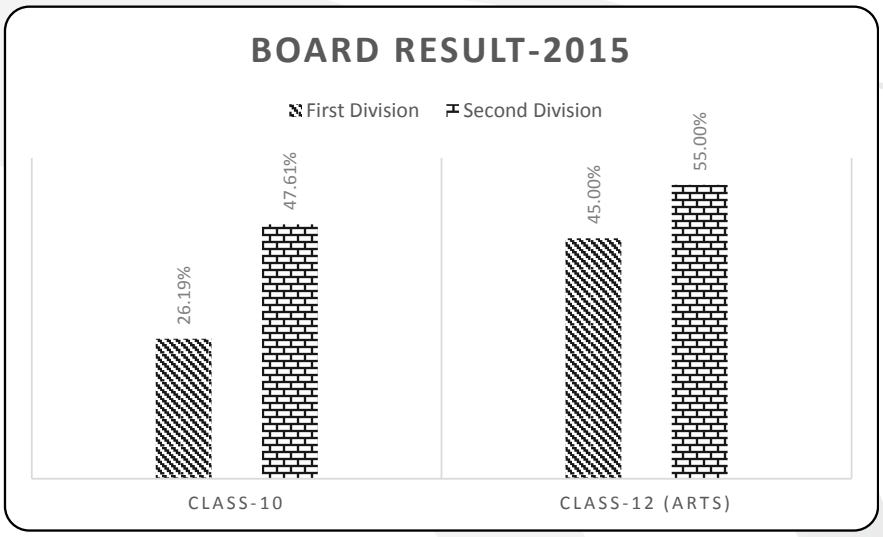

गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष बोर्ड का परीक्षा परिणाम बेहतर रहा। **कक्षा-12** कला में 20 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। जिसमें 9 प्रथम श्रेणी से तथा 11 द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण हुए। परीक्षा का परिणाम शत-प्रतिशत रहा।

कक्षा-11 का कला वर्ग का परिणाम शत-प्रतिशत रहा। वार्णिज्य वर्ग का परिणाम 91.66 प्रतिशत रहा।

कक्षा-10 में 42 बच्चों ने परीक्षा दी जिसमें 11 बच्चे प्रथम श्रेणी, 20 द्वितीय श्रेणी व 5 तृतीय श्रेणी से उत्तीर्ण हुए।

बन्धेज कार्य सीखा

शिक्षक शाशिकांत शर्मा ने बच्चों को बन्धेज से सम्बन्धित महत्त्वपूर्ण जानकारियाँ दी। उन्होंने बच्चों को कपड़े रंगते समय ध्यान रखने योग्य मुख्य बातें तथा सावधानियों से अवगत कराया गया। बच्चों को इस कार्य हेतु सामग्री विद्यालय से ही उपलब्ध करवाई गई। बच्चों ने दाल, चावल, कंकर आदि डालकर बान्धनी कार्य करते हुए कपड़ों को रंगा। विद्यार्थियों ने अपने हाथों से रंग-बिरंगे बन्धेज को करना सीखा तथा रंगों का सुन्दर, मनोरम संयोजन प्रस्तुत किया।

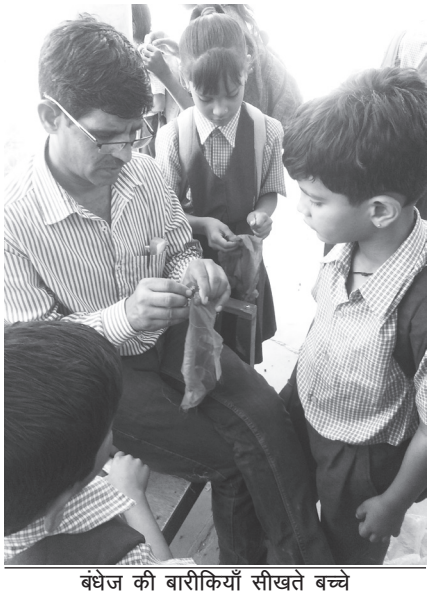
बंधेज की बारीकियाँ सीखते बच्चे

बेहतर प्रश्न-पत्र बनाने के गुर सीखे

विद्या भवन सोसायटी की फैकल्टी डवलपमैण्ट कमेटी की ओर से आयोजित कार्यशाला में मूल्यांकन व आकलन पर बेहतर समझ बनाने हेतु शिक्षकों ने पूर्व में तैयार किए गए प्रश्न पत्रों का व्यापक रूप से विश्लेषण किया। प्रो. कमल महेन्द्रू ने सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन तथा पुस्तक में दी गई विषयवस्तु को जांचने के फर्क को बताया। कार्यशाला द्वारा शिक्षकों में यह समझ बनी कि प्रश्न पत्र इस प्रकार बनाया जाए जिसमें शिक्षणगत सारे उद्देश्यों की पूर्ति होती हो तथा प्रश्नों का स्तर ऐसा होना चाहिए जिसमें कमज़ोर छात्र के लिये भी कुछ करने की गुंजाइश हो तथा मेघावी छात्र को भी चुनौती मिले।

छात्र प्रवेश प्रक्रिया हेतु गाँवों में सर्वे

विद्यालय में नामांकन बढ़ाने हेतु शिक्षकों ने गाँव-गाँव जाकर सर्वे किया। शिक्षकों ने विद्यालय परिसर की शैक्षिक व सहशैक्षिक गतिविधियों, विद्यालय की उपलब्धियों, स्वच्छता, सुविधाओं आदि को बताया। विद्यालय के बारे में 5-6 मिनट की विडियो क्लिपिंग, पावर पॉण्इट प्रस्तुतीकरण तैयार किया गया। इसे भी शिक्षकों द्वारा गाँवों में प्रदर्शित किया गया तथा स्कूल के पैम्फ्लेट भी वितरित किए गए। शिक्षकों का यह प्रयास विद्यालय में नामांकन बढ़ाने में उपयोगी साबित हुआ।

नन्हें हाथ, स्वच्छता के साथ

"टाटा फाउण्डेशन" द्वारा विद्यालय में एक निबंध प्रतियोगिता आयोजित करवाई गई। प्रतियोगिता का विषय था- "स्वच्छ भारत अभियान द्वारा विद्यार्थी की समाज के प्रति भागीदारी।" यह प्रतियोगिता दो स्तर पर करवाई गई। प्रथम स्तर में कक्षा 6 से 8, दूसरे स्तर में कक्षा 9 व 11 को रखा गया। बच्चों ने उत्साह एवं रुचि से भाग लेते हुए अपने विचारों व मतों को लेखनबद्ध किया। प्रतियोगिता का परिणाम इस प्रकार रहा-

प्रथम स्तर में- प्रथम- हुनर पंड्या (कक्षा-8), द्वितीय- सोनू जांगिड़ (कक्षा-8), तृतीय- प्रिया जांगिड़ (कक्षा-8)।

द्वितीय स्तर में- प्रथम- पायल सुथार (कक्षा-9), द्वितीय- आशा देवड़ा (कक्षा-9), तृतीय- जमना नागदा (कक्षा-9)

प्रधानाचार्या ने मेडल व प्रमाण पत्र प्रदान कर विजेताओं का उत्साहवर्द्धन किया।

रिपोर्टर : पुष्पा राजपूत

विद्या भवन पब्लिक स्कूल

www.vbpublicschool.org

10वीं तथा 12वीं का वार्षिक परिणाम

सत्र 2014-15 में विद्यालय की **दसवीं कक्षा** का परीक्षा परिणाम 93% रहा। सी.बी. एस.ई. द्वारा आयोजित इस परीक्षा में छात्र निसर्ग व्यास ने 10 सी.जी.पी.ए. (95%) अंक प्राप्त किए व कक्षा में प्रथम रहा। कक्षा के 11 छात्रों ने 75% से अधिक अंक, 8 छात्राओं ने 60.74% तथा 22 छात्रों ने द्वितीय श्रेणी व 1 छात्र ने तृतीय श्रेणी प्राप्त की। तीन विद्यार्थी पूरक आए। **कक्षा 12वीं** के **कला** विषय का 100% परिणाम तथा **वाणिज्य** विषय में 81% परिणाम रहा। वाणिज्य विषय में प्रथम श्रेणी में 7 विद्यार्थी, द्वितीय श्रेणी में 10 विद्यार्थी, 2 पूरक व 2 छात्र अनुत्तीर्ण हुए।

इसी प्रकार, कक्षा प्रथम से दसवीं तक के विद्यार्थियों के शैक्षिक एवं रचनात्मक गतिविधियों के मूल्यांकनार्थ एफ.ए.-1 का आयोजन हुआ।

नवीन छात्र-छात्राओं का नामांकन

नए सत्र में 55 छात्र-छात्राओं का विद्यालय में नवीन प्रवेश हुआ। कक्षा 1 से 5 वीं तक 17 विद्यार्थी, कक्षा 6 से 8 वीं तक 15 तथा कक्षा 9 से 12 तक 23 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है।

नामांकन के लिए झाड़ोल में संपर्क

विद्यालय में नामांकन वृद्धि के उद्देश्य से झाड़ोल (फ.) में विद्यालय के शिक्षकों ने घर-घर संपर्क कर विद्यालय में संचालित हो रही गतिविधियों एवँ शैक्षिक स्थिति से सम्बन्धित जानकारियाँ दी। इस मौके पर अभिभावकों को पैम्फ्लेट्स एवं विद्यालय कैलेण्डर वितरित किए। अभिभावकों ने विद्यालय सम्बन्धी जानकारी लेने में उत्साह दिखाया। शिक्षकों ने उन्हें विद्यालय की विशेषताओं से अवगत कराया।

क्विज़ में भागीदारी

सुखाड़िया विश्वविद्यालय के तत्वावधान में आयोजित 'विट्ज क्विज़ कॉन्टेस्ट' में विद्यालय से छः विद्यार्थियों ने भाग लिया। असद हसन, हर्षित शर्मा, धारिणी जैन, गुंजन सिंह, रक्षिता जाजू व तनवी राजजोया का प्रदर्शन सराहनीय रहा व इन्हें प्रशस्ति पत्र दिया गया।

वर्क एजुकेशन के तहत गतिविधियाँ

बच्चों में सृजनात्मकता बनाने के उद्देश्य से विद्यालय में हेल्थ एण्ड न्यूट्रिशन के अन्तर्गत विभिन्न व्यायाम, खेल, संगीत व नृत्य की गतिविधियां की गई। एक माह तक संचालित इन गतिविधियों में विभिन्न दालों से चित्रण, बागवानी में काम आने वाले औज़ारों के नाम व उनके उपयोग की जानकारी व पेड़-पौधों के संरक्षण, अभिनय कला के उन्नयन हेतु लघु-नाटिकाओं का आयोजन भी किया गया। भाषा के अन्तर्गत वर्ग पहेली, वाक्य निर्माण सहित क्रियात्मक गतिविधियों का संचालन किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने कई नवीन कलात्मक चीजें बनाना सीखा।

अण्डर-19 फुटबॉल में भागीदारी

अण्डर-19 फुटबॉल प्रतियोगिता में विद्यालय की टीम ने विभिन्न टीमों के खिलाफ कुल 21 गोल दागे। इस मौके पर विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों से फुटबॉल खेलने के गुर सीखे। प्रतियोगिता स्टेप बाय स्टेप विद्यालय में आयोजित की गई थी।

माताओं को एरोबिक्स प्रशिक्षण

विद्यालय में ग्रीष्मावकाश 20 दिवसीय खेल शिविर लगा। सुबह विद्यार्थियों को फतहसागर, नीमचमाता रोड, रानी रोड, टाईगर हिल पर ट्रेकिंग करवाई गई। प्रशिक्षक देवीलाल रावत ने क्रिकेट, एथलेटिक्स व जूडो का प्रशिक्षण दिया। विद्यार्थियों में शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बनाए रखने के उद्देश्य से उनकी माताओं को भी निःशुल्क एरोबिक्स का प्रशिक्षण दिया गया।

निःशुल्क संगीत व नृत्य सीखा

विद्यालय में आयोजित 15 दिवसीय नृत्य व संगीत प्रशिक्षण में 45 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य बच्चों में अन्तर्निहित कलात्मकता को उजागर कराना एवं उनको उचित मार्गदर्शन प्रदान कर उन्हें आगे बढ़ने में मदद करना था। शिविर में मनीष आदिवाल ने संगीत, अरीबा मंसूरी ने राजस्थानी नृत्य व देवीलाल रावत ने वेस्टर्न डाँस का प्रशिक्षण दिया।

नृत्य का अभ्यास करते हुए बच्चे

जाने प्रश्न-पत्र निर्माण के मापदण्ड

विद्या भवन शिक्षा सन्दर्भ केन्द्र में आयोजित असेसमेण्ट एण्ड इवेल्यूएशन कार्यशाला में विद्यालय के छः शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य एक अच्छे प्रश्न पत्र के निर्माण में शिक्षकों को क्षमतावान बनाना था। कार्यशाला में प्रो. कमल महेन्द्रू ने एक अच्छे प्रश्न पत्र के मुख्य मापदण्डों के बारे में विस्तृत परिचर्चा की एवं बच्चों की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य किया गया। शिक्षकों ने अच्छे प्रश्न पत्र के निर्माण में गुणवत्तापूर्ण सामग्री के सही उपयोग करने का तरीका सीखा।

ग्रामीण विद्यार्थियों के लिए शिविर

विद्यालय में सेवामंदिर के तत्वावधान में ग्रामीण छात्र-छात्राओं के शैक्षिक स्तर में वृद्धि के उद्देश्य से एक माह का स्कॉलरशिप शिविर लगा। शिविर में 57 छात्र-छात्राएँ व अन्य शिक्षकगण शामिल हुए। हिन्दी, अंग्रेज़ी, विज्ञान एवं गणित विषयों पर बच्चों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया। सहशैक्षिक गतिविधियों में भ्रमण एवं शैक्षिक खेल करवाए गए। बच्चे अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर फतहसागर गए जहां उन्होंने योग किया। विश्व पर्यावरण दिवस पर बच्चों ने पौधारोपण किया। ज़िला कलेक्टर रोहित गुप्ता ने शिविर का अवलोकन किया।

रिपोर्टर : ललित पूर्बिया

विद्या भवन रूरल इंस्टीट्यूट

www.vbriudaipur.org

प्रवेश प्रारंभ : बालिकाओं को प्रोत्साहन

महाविद्यालय में सत्र 2015-16 के लिए प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। इसके तहत विभिन्न विषयों में प्रवेश प्रारम्भ है। विद्यार्थियों को मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के नियमानुसार निर्धारित फीस पर प्रवेश दिया जा रहा है। स्नातक स्तर पर विज्ञान, कला व वाणिज्य तथा स्नातकोत्तर स्तर में रसायन विज्ञान व कला संकाय में प्रवेश दिया जा रहा है। बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए छात्राओं की ट्यूशन फीस माफ की गई है। रसायन विज्ञान में स्नातकोत्तर में एनालैटिकल कैमेस्ट्री विद्या भवन रूरल इंस्टीट्यूट की विशिष्टता है।

रोवर/रेंजर का साहसिक शिविर

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड राज्य मुख्यालय जयपुर द्वारा कुल्लु मनाली में आयोजित शिविर में महाविद्यालय के 3 छात्रों ने भाग लिया। छात्र चेतन सुथार, अशोक मेघवाल व राकेश खटीक ने ट्रेकिंग तथा विभिन्न दर्शनीय स्थलों का भ्रमण किया। इस दौरान कैम्प फायर किया तथा राजस्थानी पोशाकें पहनकर प्रस्तुतियाँ दी। शिविर विद्यार्थियों के लिए ज्ञानप्रद, मेल मिलाप सिखाने वाला व आपसी भाईचारे व सामन्जस्य की भावना बढ़ाने वाला रहा।

शिविर के दौरान स्काउट्स

शिक्षा जगत की बारिकियों को जाना

एकेडमिक स्टाफ कॉलेज, जोधपुर द्वारा आयोजित उन्मुखीकरण कार्यक्रम में महाविद्यालय के 9 व्याख्याताओं ने भाग लिया। उदयपुर में पहली बार आयोजित हुए रहे इस 28 दिवसीय कार्यक्रम में विभिन्न विषयों पर वरिष्ठ व्याख्याताओं के साथ चर्चा की गई। मुख्य रूप से शिक्षा में नवीन तकनीकों की जानकारी, विद्यार्थियों में पढ़ाई के प्रति रुचि बनी रहे इसके लिए खेल, प्रेरणादायक वीडियो शूट के साथ व्यक्तित्व विकास, अच्छे शिक्षक के गुण, शिक्षक की अभिवृत्ति, शिक्षक विद्यार्थियों के पारस्परिक संबंध पर चर्चा की गई। इस मौके पर लिखित परीक्षा ली गई जिसमें सभी ने 'ए' ग्रेड प्राप्त की।

पुस्तक समीक्षा कार्यशाला

एस.आई.ई.आर.टी., उदयपुर द्वारा 2 से 6 जून तक कक्षा 6 से 8 तक की नवीन पाठ्यपुस्तकों की समीक्षा हेतु एक कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में समाज विज्ञान विषय के विशेषज्ञ के रूप में संस्थान के डॉ. मनोज राजगुरु ने भाग लिया।

इग्नू में प्रवेश प्रारम्भ

महाविद्यालय में एक प्रेस कान्फ्रेंस आयोजित कर इग्नू की क्षेत्रीय निदेशक डॉ. रूपाली श्रीवास्तव ने इग्नू की प्रवेश प्रक्रिया की जानकारी दी। इस बार प्रवेश ऑनलाईन होंगे। दो साल पहले भी प्रक्रिया ऑनलाईन हुई थी लेकिन कुछ रुकावटों के कारण बन्द कर दी गई थी। अब इग्नू की वेबसाइट पर आवेदन किया जा सकता है। इग्नू में 410 कार्यक्रम संचालित हैं। करियर की जरूरतों व सामाजिक बदलाव को ध्यान में रखते हुए कोर्स चलाए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह जुलाई में प्रस्तावित है।

इग्नू की जानकारी

इग्नू के जोधपुर क्षेत्रीय कार्यालय में समन्वयक संगोष्ठी हुई। संगोष्ठी में इग्नू समन्वयक लक्ष्मण सिंह राजपूत ने भाग लिया और अध्ययन केन्द्र से सम्बन्धित प्रवेश परीक्षा तथा अन्य विषयों पर जानकारी ली।

महाविद्यालय में स्वच्छता अभियान

कॉलेज शिक्षा निदेशालय की ओर से महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत सफाई सप्ताह मनाया गया। अभियान में शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर सभी विभागों की सफाई की गई।

योग पर परामर्श

महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. समीर व्यास के सान्निध्य में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में शैक्षणिक स्टाफ, मंत्रालयिक कर्मचारी तथा चतुर्थ श्रेणी सदस्य शामिल हुए। निदेशक डॉ. टी.पी. शर्मा ने योग पर परामर्श दिया तथा विभिन्न योगासन करवाए।

रिपोर्टर : डॉ. सुषमा जैन

मानव संसाधन एवं विधि विभाग

विद्या भवन सोसायटी के मानव संसाधन विभाग द्वारा नई मानव संसाधन नीति का पालन करते हुए 'अर्न एण्ड लर्न' के अंतर्गत विद्या भवन गोविन्दराम सेकसरिया शिक्षक महाविद्यालय के बी.एड. कार्यक्रम की तीन गुणी छात्राओं श्यामली मागुत्री, शमीम कादीर और सना मंसूरी का चयन विद्या भवन पब्लिक स्कूल में हुआ।

इसी प्रकार, कर्मचारी चयन समिति की बैठक 29.04.2015 को हुई। सहायक लेखापाल के पद हेतु प्रतीक मेहता और रुचि हिंगर का चयन किया गया।

फैकल्टी डवलपमेंट कमेटी की बैठक में संकाय सदस्यों ने भाषायी ज्ञान को बेहतर बनाने के लिए विचार-विमर्श किया गया। इस दिशा में शिक्षकों के प्रशिक्षण हेतु 'इंग्लिश लैंग्वेज प्रोफिशियंसी एण्ड असेसमेंट' पर पाँच दिवसीय कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

रिपोर्टर : ज़ाहिद मोहम्मद

विद्या भवन पॉलिटैक्निक कॉलेज

www.vbpolytechnic.org

स्मार्ट इरिगेशन सिस्टम बनाया

किसानों की बिजली एवं सिंचाई की समस्या के निराकरण के लिए संस्था के विद्यार्थियों ने 'स्मार्ट इरिगेशन सिस्टम' विकसित किए हैं। बिजली आपूर्ति के लिए सौर-ऊर्जा पैनल से बिजली उत्पन्न कर, मिट्टी में उपस्थित नमी एवं जल के तापमान के अनुरूप उचित मात्र में सिंचाई जल देने के लिए सेंसर लगाए। इससे किसान वर्ग सही समय पर सही मात्रा में जल आपूर्ति कर अधिकतम उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं।

इसी प्रकार, विद्यार्थियों ने कई अन्य अभिनव प्रोजेक्ट्स बनाए, जिसमें ऑटोमेटिक डिटेक्शन एण्ड सेपरेशन ऑफ रेड एण्ड ग्रीन टमेटोज यूजिंग प्रोसेसिंग टेक्नीक थ्रू मेटलेब, एनर्जी एफिशिएंट क्लास रूम मोनिटरिंग सिस्टम, हैण्ड जेस्चर कन्ट्रोल्ड स्पीकिंग कन्सोल फॉर डिफरेन्टली एबल्ड परसन्स्, रेस्टोरेन्ट फाइंडर, स्टूडेन्ट इनफोरमैशन सिस्टम, माइ कार्ट ऑनलाइन किराणा स्टोर, ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमैण्ट सिस्टम, सोलर पावर स्मार्ट इरिगेशन सिस्टम, इलेक्ट्रिकल थेफ्ट डिटेक्शन बाय यूजिंग जी.एस.एम., हाउसिंग टाइपोलोजी एण्ड सेनिटेशन सर्विसेज आदि प्रमुख हैं। इन प्रोजेक्ट्स के माध्यम से विद्यार्थियों ने अपने ज्ञान, कौशल, नवाचार रचनात्मकता का परिचय दिया है।

अपने अभिनव प्रोजेक्ट्स के साथ विद्यार्थी

व्यावसायिकता पर कार्यशाला

महाविद्यालय में आई.सी.टी. के माध्यम से नाईटर, चण्डीगढ़ द्वारा "टैक्निकल टीचर्स रोल, सेल्फ एस्टीम, मोटिवेशन एण्ड प्रोफेशनलिज़्म डवलपमेन्ट" विषयक पाँच दिवसीय कार्यशाला हुई। कार्यशाला में प्रतिभागियों ने 'मोटिवेटिंग सेल्फ एण्ड अदर्स', 'सिस्टेमेटिक अप्रोच टू इन्स्ट्रक्शन', 'प्रोफेशनल स्टेण्डर्ड्ज एण्ड प्रोफेशनलिज़्म इन टीचर्स' विषयों पर प्रशिक्षण प्राप्त किया।

ऑर्डिनो एवं मेटलेब पर प्रशिक्षण

आई.आई.टी. मुम्बई- हेलीओस तथा ऐ.आर.के. टेक्नोसोल्यूशन्स की ओर से दो दिवसीय सिक्स्थ सेन्स रोबोटिक्स कार्यशाला में टेक्निकल एक्सपर्ट मनन मेहता ने विद्यार्थियों को माइक्रोकन्ट्रोलर, ऑर्डिनो एवं मेटलेब सॉफ्टवेयर पर प्रशिक्षण दिया। विद्यार्थियों ने मेटलेब इमेज प्रोसेसिंग टूल्स उपयोग में लेकर बॉल फॉलोअर रोबोट, ऑब्जेक्ट डिटेक्शन रोबोट, टाइमर कन्ट्रोल रोबोट बनाए। इस अवसर पर आयोजित रोबोटिक्स प्रतियोगिता में सौरव गुर्जर, रेखा कुमावत, श्रेया कुमावत, यश श्रीमाली, उज्जवल गौड़ विजेता रहे।

सीखे वैब संबंधित सॉफ्टवेयर

कम्प्यूटर साइंस एवं आई.टी. विभाग द्वारा एण्ड्रॉयड, वैब डिजाइनिंग, व नेटवर्किंग विषयक तीन कार्यशालाएँ हुईं। कार्यशालाओं में विद्यार्थियों को एचटीएमएल, सीएसएस, पीएचपी, एएचपी, एएसपी, एजेएएक्स प्लेटफार्म पर कार्य करना सिखाया।

उद्योग व अस्पताल के कार्यों को जाना

इलैक्ट्रिकल विभाग के विद्यार्थियों ने पायरोटेक इलेक्ट्रॉनिक्स एवं पावर सिस्टम का औद्योगिक भ्रमण किया। विद्यार्थियों ने इलेक्ट्रिकल लोडिंग मशीनों के उत्पादन व मरम्मत एवं कन्ट्रोल पैनल की डिजाइनिंग, पी.वी.सी. डिज़ाइनिंग, सी.एन.सी. मशीन की कार्यप्रणाली सीखी। गीतांजलि मेडिकल कॉलेज में उन्होंने एक्स-रे, ई.सी.जी., ई.ई.जी., सी.टी. स्कैन, एम.आर.आई., बी.पी. मेजरमेन्ट, पेशेन्ट मॉनिटरिंग सिस्टम, बायो मेडिकल वेस्ट निस्तारण प्रक्रिया को जाना।

30 विद्यार्थियों का प्लेसमेन्ट

इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रोनिक्स व रबर टैक्नोलॉजी संकायों से 30 विद्यार्थियों का प्लेसमेन्ट अन्तर्राष्ट्रीय कम्पनी अपोलो टायर्स, टाटा हिताची, सोमी कन्वेयर, बालकृष्ण टायर इण्डस्ट्रीज में हुआ है। सिविल इंजीनियरिंग के कई विद्यार्थी राजस्थान सरकार में कनिष्ठ अभियंता के पद पर चयनित हुए हैं।

पूर्व विद्यार्थियों का सम्मान

1965 एवं 1990 बैच के पूर्व अध्ययनरत विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इन्होंने क्रमशः 50 वर्ष एवं 25 वर्ष पूर्व महाविद्यालय में अध्ययन किया था। इस अवसर पर संस्था के तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों को विदाई दी गई। पूर्व विद्यार्थी संघ द्वारा सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी का सम्मान मीनल भारद्वाज एवं चन्द्रकान्त कुशवाहा को तथा गरीब एवं पिछड़े तबके के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति दी गई। पूर्व विद्यार्थी एवं संगम समूह के रामपाल सोनी ने सेमिनार हॉल का उद्घाटन किया।

प्रवेश प्रक्रिया

प्रथम वर्ष में सीधे एवं द्वितीय वर्ष (पार्श्व प्रणाली) में प्रवेश प्रक्रिया आरम्भ हो गई है। इसके तहत महाविद्यालय स्तर पर प्रवेश मार्गदर्शन अप्रैल से आरम्भ किया गया। प्राविधिक शिक्षा निदेशालय द्वारा ऑन-लाइन प्रवेश हेतु महाविद्यालय में प्रवेश प्रकोष्ठ बनाया गया है। संस्था के कार्यकर्ता उदयपुर संभाग के विभिन्न कस्बों, गाँवों में जाकर करियर मार्गदर्शन दे रहे हैं।

विकास में जुटें इंजीनियर : प्रो. हुमर

भारतीय इंजीनियरों पर अपने देश की समग्र सामाजिक-आर्थिक प्रगति का जिम्मा है। यह बात कनाडा के कार्लटन विश्वविद्यालय में सिविल इंजीनियरिंग के विशिष्ठ शोध प्रोफेसर जगमोहन हुमर ने पॉलिटैक्निक के पूर्व विद्यार्थी संघ की ओर से आयोजित व्याख्यानमाला में कही। उन्होंने भारत की प्रगति के लिए आवागमन सुविधा, संचार, स्वच्छता, रीसाइक्लिंग इत्यादि क्षेत्रों में अधोसंरचनात्मक विकास पर जोर दिया। इस मौके पर उन्होंने भूकम्परोधी निर्माण पर सभी का मार्गदर्शन किया है।

रिपोर्टर : सोनू हिरावत

विद्या भवन प्रकृति साधना केन्द्र

www.vbpsk.org

घासा के विद्यार्थियों का नेचर ट्रिप

विद्या भवन प्रकृति साधना केन्द्र पर समय-समय पर शिविर एवं नेचर-ट्रिप आयोजित होते हैं जिससे विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम पर आधारित विषयों से रूबरू किया जा सके। इसी संदर्भ में राजकीय माध्यमिक विद्यालय, घासा के एक विद्यार्थी दल ने पक्षियों के स्वभाव, ठहरने तथा जीवन-चक्र का अध्ययन किया। पक्षी प्रेमी विनय दवे ने अपने साथियों के साथ आकर प्रकृति में पाये जाने वाले पक्षियों को पहचानने एवं उनके द्वारा बनाए गए घौंसलों के अध्ययन में विद्यार्थियों की मदद की। उन्होंने बताया कि इस केन्द्र को चयनित करते हुए कुछ विशेष प्रजातियों के पक्षियों ने अपने घौंसले यहाँ बनाए हैं। यह दर्शाता हैं कि यह स्थल पक्षियों के रहने की दृष्टि से अनुकूल हैं, जिसका मुख्य कारण यहाँ का शांत वातावरण तथा जैव विविधता है।

पक्षियों के साथ-साथ अन्य प्राणियों की प्रजातियाँ जैसे पैंथर, जैकॉल, छोटा बिज्जू आदि भी इस स्थल पर प्रायः देखे जा सकते हैं। पक्षियों में वाईट आई, प्रीमिया, पैराडाइज़ एवं फैनटेल फ्लाईकैचर, इंडियन पिट्टा, इंडियन रॉबिन, रैडवेंटेड बुलबुल, वुडपेकर, शिकरा आदि प्रमुख रूप से देखे गए।

विश्व पर्यावरण दिवस मनाया

पाँच जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया जिसमें विद्या भवन की विभिन्न संस्थाओं के प्राध्यापक, छात्र तथा एन.जी.ओ. के सदस्यों ने भाग लिया। इस मौके पर आयोजित गोष्ठी "प्राकृतिक आपदा एक चुनौती" विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विद्या भवन सोसायटी अध्यक्ष रियाज़ तहसीन ने कहा कि यह केन्द्र विद्या भवन की 'थिंक ग्लोब्ल एक्ट लोकल' सोच का परिचायक है। विशिष्ठ अतिथि प्रो. ए. बी. फाटक ने पर्यावरण संरक्षण में जन भागीदारी की अहम् भूमिका पर प्रकाश डाला।

पर्यावरण दिवस पर संबोधन

केन्द्र पर पक्षियों को पहचानने के लिए एक बायो-विजयुल चार्ट लगाया गया है, जिससे यहाँ आने वाले प्रकृति प्रेमी पक्षियों को पहचान सकें। भविष्य में विद्या भवन प्रकृति साधना केन्द्र को पक्षियों के अवलोकन के लिए महत्त्वपूर्ण केन्द्र बनाने का प्रयास है।

रिपोर्टर : डॉ. रमणीक लाल श्रीमाल

विद्या भवन आँगनवाड़ी कार्यकर्ता प्रशिक्षण केन्द्र

www.vbawtc.org

"ममता की परीक्षा"

गोगुन्दा की गोपी बारबर का विवाह 14 वर्ष की उम्र में हो गया। 19 वर्ष की उम्र में 3 बच्चे हो गए और साथ ही पति का निधन हो गया। लेकिन गोपी दूसरों की मदद कर अपनी पहचान बनाते हुए कार्यकर्ता के रूप में गाँव की चहेती बन गई।

केन्द्र पर आयोजित कार्यकर्ता पुनश्चर्या प्रशिक्षण में रजिस्ट्रेशन के दौरान गोगुन्दा की गोपी बारबर का प्रेरणादायक जीवन वृत्त सामने आया। आँगनवाड़ी केन्द्र की प्राचार्या हरिबाला शर्मा ने बताया कि गोपी ने बच्चों को पढ़ाया और आत्म निर्भर बनाया। संघर्ष में तप कर न केवल एक माँ ने अपने बच्चों का भविष्य संवारा बल्कि अब वे आँगनवाड़ी कार्यकर्ता के रूप में गाँव के बच्चों की सेवा कर रही है और अपने जीवन में आगे बढ़ रही है।

केन्द्र पर स्थानीय चीज़ों से बनी प्रशिक्षण सामग्री

छः साल की उम्र में 90 प्रतिशत दिमाग़ का विकास

आमतौर पर 6 साल तक की उम्र में 90 प्रतिशत दिमाग़ का विकास हो जाता है। यह जानकारी प्रारम्भिक बाल्यावस्था में देखभाल व शिक्षा की कुशलता पर आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान, इन्दौर में दी गई। प्रशिक्षण में संस्थान की अनुदेशिका मधु धायभाई ने भाग लिया। इस मौके पर मनोचिकित्सकों ने बताया कि विभिन्न खेलों व गतिविधियों के माध्यम से बच्चों में किसी शब्द के गलत उच्चारण, शारीरिक विकलांगता एवं विशिष्ट बच्चों की पहचान की जा सकती है, जिन्हें निरन्तर अभ्यास से उन्हें सामान्य बनाया जा सकता है। प्रशिक्षण में छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं राजस्थान की 25 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया।

अटल योजना में अभिभावकों द्वारा बच्चों को अनुपम उपहार

केन्द्र सरकार की अटल पेंशन योजना में 18-40 वर्ष तक की आयु के सभी वर्ग इसमें जुड़ सकते हैं। निश्चित राशि जमा कराने पर उन्हें 60 वर्ष पूर्ण होने पर पेंशन का प्रावधान है। यह जानकारी सूचना प्रसारण मंत्रालय द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी में अवलोकन हेतु गए 40 प्रशिक्षणार्थियों को क्षेत्रीय प्रचार निदेशक आर.एल. मीणा ने दी। प्रशिक्षणार्थियों ने प्रधानमंत्री जन-धन योजना, सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योती योजना भी जानीं। इस मौके पर आयोजित प्रश्नोत्तरी में 18 प्रशिक्षणार्थी पुरस्कृत हुए।

रिपोर्टर : नरेश राव

विद्या भवन गोविन्दराम सेकसरिया शिक्षक महाविद्यालय

बी.एड. पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला

निदेशक प्रो. दिव्यप्रभा नागर एवं अन्य संकाय सदस्यों ने राजस्थान महिला शिक्षक महाविद्यालय एवं निम्बार्क शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के विषय-विशेषज्ञों के साथ बी. एड. द्विवर्षीय पाठ्यक्रम की रूपरेखा तैयार की। दो दिवसीय कार्यशाला के पहले दिन विषय विशेषज्ञों की कमेटी बनाकर विशिष्ट सलाहकार प्रो. ए. बी. फाटक के निर्देशन में निर्धारित बिन्दुओं पर चर्चा की गई। दूसरे दिन निर्मित रूपरेखा का प्रस्तुतीकरण कर सुझावों पर पाठ्यक्रम का अंतिम प्रारूप तैयार किया गया।

द्विवर्षीय बी.एड. पाठ्यक्रम पर मंथन

द्विवर्षीय बी.एड. पाठ्यक्रम की अभिमुखीकरण कार्यशाला में शिक्षण अभ्यास में विद्यालय के 15 संस्था प्रधानों एवं सहयोगी वरिष्ठ अध्यापकों ने भाग लिया। शिक्षा उपनिदेशक एवं अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यशाला में विचार-विमर्श के लिए विद्यालयों की शिक्षण अभ्यास कार्यक्रम के प्रति महाविद्यालय से अपेक्षाएं, द्विवर्षीय बी.एड. पाठ्यक्रम के अनुसार शिक्षण अभ्यास कार्यक्रम को व्यवस्थित एवं संवर्द्धित करने पर मंथन किया गया। महाविद्यालय ने शिक्षण अभ्यास कार्यक्रम की रूपरेखा निर्माण तथा शिक्षण अभ्यास कार्यक्रम की अवधि, शिक्षण कार्य हेतु चयनित शिक्षण विषय से सम्बन्धित प्राथमिकता पर सुझाव प्राप्त किए। नवीन पाठ्यक्रमानुसार इन्टर्नशिप कार्यक्रम की रूपरेखा निर्माण में संस्था प्रधानों की भूमिका से भी अवगत करवाते हुए शिक्षण अभ्यास कार्यक्रम के क्रियान्यवन में उनका सहयोग सुनिश्चित किया। प्रो. नागर ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षण-अभ्यास में महाविद्यालय एवं विद्यालय दोनों की भागीदारी को आवश्यक बताया। प्रो. एम.पी. शर्मा ने बाल-केन्द्रित शिक्षा पर बी. एड. पाठ्यक्रम की गुणवत्ता व सुदृढ़ीकरण हेतु इसे द्विवर्षीय करने की आवश्यकता बताई। संस्था प्रधानों एवं प्रतिनिधियों ने भी विचार साझा किए।

संसाधनों का हो समुचित उपयोग

पृथ्वी दिवस पर व्याख्यान देते हुए प्रो. एम. पी. शर्मा ने कहा कि हमारी पृथ्वी सौर मण्डल का सबसे सुंदरतम ग्रह है अतः हमें इसकी सुन्दरता का ध्यान रखना चाहिए। विद्यार्थियों को संसाधनों की कमी बताकर डराने के बजाए उसके समुचित उपयोग करने एवं उनके प्रति संवेदनशील रहने का संदेश देना चाहिए। प्रो. सुषमा तलेसरा ने व्यक्तिगत प्रयासों द्वारा समाज में जागरूकता लाने का संदेश दिया। महाविद्यालय निदेशक प्रो. दिव्यप्रभा नागर ने "तूने दिया इतना कि आंचल में न समाए" पंक्ति से अपना उद्‌बोधन प्रारंभ करते हुए संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों को संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग का संकल्प दिलाया।

इस मौके पर विद्यार्थियों ने श्रमदान किया एवं पादप प्रदर्शनी लगाई। विद्यार्थियों ने हर्बल पौधे लगा कर इनकी जानकारी लिखी एवं पृथ्वी संरक्षण से सम्बन्धित पोस्टर बनाए और स्लोगन लिखे।

पादप प्रदर्शनी का अवलोकन करती प्रो. नागर

सांस्कृतिक-साहित्यिक कार्यक्रम

महाविद्यालय में सांस्कृतिक-साहित्यिक कार्यक्रम में रंगोली, कविता, क्रॉफ्ट, समूह नृत्य, फैन्सी ड्रैस, समूह गीत, मेहन्दी, मूकाभिनय, एकल गीत, एकल नृत्य आदि प्रतियोगिताएं हुईं। प्रतियोगिता में 75 विद्यार्थियों ने भाग लिया। विजेता प्रतिभागियों को वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में पुरस्कृत किया गया।

सैद्धांतिक आंतरिक परीक्षा

विश्वविद्यालय के नियमानुसार महाविद्यालय में बी.एड. एवं एम.एड. विद्यार्थियों हेतु आंतरिक सैद्धांतिक परीक्षाएं आयोजित हुईं। मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों का सतत् एवं समग्र मूल्यांकन करने के साथ परीक्षण के दौरान अनुभव की गई कठिनाइयों को जानकर उनके लिए निदानात्मक शिक्षण की रूपरेखा एवं व्यूह रचना तैयार करना था। ये वार्षिक परीक्षा की तैयारी में सहायक रही।

एम.एड. पाठ्यक्रम में योगदान

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय द्वारा द्विवर्षीय नवीन एम.एड. पाठ्यक्रम निर्माण का महत्त्वपूर्ण उत्तरदायित्व विद्या भवन गो.से. शिक्षक महाविद्यालय को सौंपा गया। इस कार्यक्रम की व्यूहरचना निर्माण हेतु महाविद्यालय में आयोजित बैठक में विश्वविद्यालय शिक्षा संकाय की अधिष्ठाता प्रो. साधना कोठारी की अध्यक्षता में शिक्षा सलाहकार प्रो. ए.बी. फाटक, महाविद्यालय निदेशक प्रो. दिव्यप्रभा नागर, प्रो. एम.पी. शर्मा, प्रो. सुषमा तलेसरा एवं अन्य शिक्षक महाविद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित थे। पहले दिन नवीन पाठ्यक्रम पर विचार-मंथन हुआ। दोनों वर्षों के पाठ्यक्रम में आधारभूत सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक कार्यों की रूपरेखा निर्माण हेतु विषयवार कमेटियां बनीं। दूसरे दिन प्रत्येक कमेटी के प्रतिनिधि प्रस्तुतीकरण के बाद सुझावों के आधार पर प्रथम ड्राफ्ट तैयार किया गया।

आगे की कार्य-योजना हेतु बैठक व कार्यशालाएं समय-समय पर राजस्थान महिला शिक्षक महाविद्यालय एवं निम्बार्क शिक्षक महाविद्यालय में भी हुईं जिनमें पाठ्यक्रम को अंतिम रूप दिया गया। पाठ्यक्रम में शिक्षा में नवीन आयाम एवं वैश्वीकरण के अनुरूप विषयवस्तु को समाहित किया गया। कुछ नवीन विषय सामग्री जैसे शान्ति शिक्षा, समावेशी शिक्षा, सम्प्रेषण कौशल भी जोड़े गए।

शोध का लाभ समाज को मिले

विद्या भवन सोसायटी के अध्यक्ष रियाज़ तहसीन ने आह्वान किया कि शिक्षा के क्षेत्र में हुए शोध का लाभ समाज को मिलना

चाहिए। वे महाविद्यालय में केन्द्र प्रवर्तित योजना के तहत अनुसंधान प्रविधि विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन पर बोल रहे थे। कार्यशाला में देश के विभिन्न आई.ए.एस.ई., सी.टी.ई., डाईट, के सदस्यों सहित उदयपुर जिले के शिक्षा महाविद्यालयों के संकाय सदस्य एवं शोधार्थियों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि प्रो. ए. बी. फाटक ने वर्तमान समय में शैक्षिक अनुसंधान की आवश्यकता तथा उसके क्रियान्वयन में आने वाली समस्याओं पर विचार रखे। उन्होंने शोध प्रारूप, विश्लेषण, कठिनाई स्तर पर चर्चा की। वर्धमान कोटा विश्वविद्यालय के प्रो. अनिल जैन ने अनुसंधान प्रारूप बनाने के लिए आवश्यक घटकों को बताया तथा समूह में शोध प्रारूप तैयार करवाए।

दूसरे दिन बड़ौदा के प्रो. आशुतोष बिसवाल ने अनुसंधान में सांख्यिकी विषय पर खुली चर्चा की। सरदार पटेल विश्वविद्यालय आणन्द, गुजरात की भूतपूर्व डीन प्रो. पल्लवी पटेल ने अनुसंधान-उपकरण का चयन, निर्माण एवं मानकीकरण के चरणों पर चर्चा करते हुए इसमें आने वाली कठिनाइयों एवं जटिलताओं को दूर करने के उपाय बताए।

वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण

महाविद्यालय में वार्षिकोत्सव व पुरस्कार वितरण समारोह विद्यार्थियों को उनके वर्षभर के कार्यों के सकारात्मक विश्लेषण एवं आने वाली परीक्षाओं की शुभकामना देने के रूप में मनाया गया। इस मौके पर विद्यार्थियों द्वारा वर्षभर आयोजित की गई सहशैक्षिक गतिविधियों में सहभागिता व विशेष स्थान अर्जित करने पर पुरस्कृत किया गया।

भाषा-अधिगम सामग्री निर्माण

भाषा शिक्षण को प्रभावी एवं रूचिकर बनाने में नवाचार विधियाँ, शिक्षण अधिगम सामग्री का विशेष महत्व होता है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए भाषा विभाग द्वारा विद्यार्थियों से भाषा अधिगम सामग्री का निर्माण करवाया गया। उन्होंने भाषा शिक्षण में रचनात्मक एवं सृजनात्मकता का परिचय देते हुए रस, छंद, अलंकार, संधि, समास, उच्चारण स्थान, कारक, शब्द परिचय, अनेकार्थक शब्द, मुहावरों पर कार्यशील मॉडल तैयार किए। विद्यार्थियों ने व्याकरण की सांप-सीढ़ी द्वारा खेल-खेल में व्याकरण के विभिन्न तत्वों का ज्ञान प्रदान करने हेतु फ्लैश कार्ड निर्मित किये। साथ ही विभिन्न दिवस, जयन्तियों व वनशाला भ्रमण आदि से संबंधित भित्ति-पत्रिकाओं का निर्माण किया। महाविद्यालय में इन सभी अधिगम सामग्री की प्रदर्शनी लगाई गई।

अनुसंधान में सांख्यिकी विषय पर चर्चा करते प्रो. बिसवाल

रिपोर्टर : संतोष उपाध्याय

शैक्षणिक संवाद की पत्रिकाएँ

"खोजें और जानें" का नवीन अंक "बच्चों की शिक्षा में पालक की भागीदारी" विषय पर आधारित था। सामग्री चयन में यह ध्यान रखा गया है कि सैद्धांतिक समझ के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभवों को भी जोड़कर समझा जाए। बच्चे के विकास में पालकों व शिक्षकों की भूमिका के समीक्षात्मक अनुभव हमें यह बताते हैं कि कैसे बड़ों की सोच व व्यवहार बच्चों के सम्पूर्ण जीवन को प्रभावित करती है। अपने अकादमिक ज्ञान और अनुभव के तालमेल के विचार भी इसमें शामिल किए गए हैं। सचेत पालक से क्या अभिप्राय है तथा बच्चों की शिक्षा में अभिभावक के समुदाय, उसकी अपनी शैक्षिक एवं सामाजिक पृष्ठभूमि का क्या प्रभाव पड़ता है। ऐसे ही पहलुओं पर संवाद कायम करने की कोशिश "खोजें और जानें" के अंक-13 में की गई हैं।

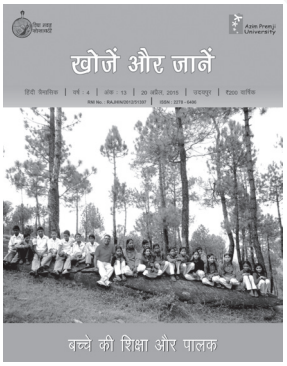

"शिक्षा की बुनियाद" का संयुक्तांक (अंक-11 व 12) में उत्पादक काम, बचपन और शिक्षा के अन्तर्सम्बन्धों पर रोशनी डालने का प्रयास रहा। इसके द्वारा कोशिश की गई कि हमारी औपचारिक शिक्षा प्रणाली में 'उत्पादक काम के ज़रिये शिक्षा' को शामिल करने का सकारात्मक रवैया विकसित किए जा सके। इसके लिए अंक में ऐसे शोध को शामिल किया गया जो कि स्कूलिंग और बच्चों के काम के बीच संबंध तथा कथित विरोधाभास को रेखांकित करता है साथ ही समाज और शिक्षा के परस्पर संबंध की पड़ताल की गई और स्कूल के साथ श्रम को शिक्षा के कुछ नवाचारी अनुभवों के रूप में शामिल किया गया जो इस मुद्दे के प्रति चिंतन प्रक्रिया को शुरू करने में मददगार साबित हुआ।

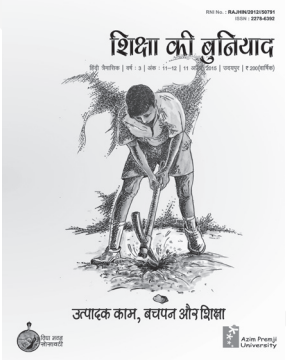

विद्या भवन गाँधी शिक्षा अध्ययन संस्थान

www.vbgies.org

सैद्धांतिक ज्ञान की परीक्षाएँ

महाविद्यालय में मध्यावधि परीक्षाएँ द्वारा विद्यार्थियों के सैद्धान्तिक ज्ञान तथा प्रायोगिक अनुभवों के व्यावहारिक प्रयोग का आकलन किया गया। परिणामों के आधार पर परीक्षा की तैयारी के लिए छात्राध्यापकों को प्रोत्साहित किया गया। उन्हें अनुच्छेदों के स्थान पर बिन्दुवार व रेखाचित्रों द्वारा स्पष्ट प्रस्तुतीकरण, अनावश्यक विस्तार न करने तथा संक्षिप्त एवं निबन्धात्मक प्रश्नों के अपेक्षित शब्द सीमाओं में उत्तर देने व सभी प्रश्नों को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के सुझाव दिए गए। समीक्षा बैठक में सत्रान्त परीक्षा की बजाय वर्ष में 2 से 3 बार आकलन करने तथा आगामी दो वर्षीय परिवर्तित पाठ्यक्रम में आवश्यकतानुसार वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का समावेश करने सम्बन्धी निर्णय लिए गए।

छात्राएँ रहीं अव्वल

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की बी.एड. परीक्षा में विज्ञान विषय में मीतू

जोशी ने 79.00%,

वाणिज्य विषय की गायत्री पुरोहित ने 78.66% तथा विज्ञान विषय की सारिका देवासी ने 77.77% प्राप्त कर महाविद्यालय में क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय के 71 छात्राध्यापक प्रथम श्रेणी तथा 15 छात्राध्यापक द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण हुए।

लोकेश व मीतू को रजत पदक

महाविद्यालय के लोकेश जोशी एवं मीतू जोशी को

सर्वाधिक अंक लाने पर सत्रान्त समारोह में रजत पदक दिया गया। लोकेश ने इस सत्र में विद्या भवन रूरल इंस्टिट्यूट में एम.एससी. में भी 73.00 प्रतिशत प्राप्त कर महाविद्यालय में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। समारोह में अकादमिक, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को भी प्रमाण-पत्र दिए गए।

सीखा रिसर्च प्रपोज़ल बनाना

महाविद्यालय के संकाय सदस्यों ने विद्या भवन गो. से. शिक्षक महाविद्यालय के सी.टी. ई. विभाग द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित दो दिवसीय "रिसर्च मेथडोलॉजी फॉर टीचर एजुकेशन" विषयक कार्यशाला में रिसर्च प्रपोज़ल बनाना सीखा। कार्यशाला में प्रो. ए. बी. फाटक से रिसर्च प्रपोज़ल मैकेनिक्स एवं प्रो. पल्लवी पटेल से मनोवैज्ञानिक परीक्षण प्रमापीकरण पर चर्चा की। कम्पयूटर अनुदेशक ममता श्रीमाली को अपने पीएच.डी. कोर्स वर्क कार्यक्रम में रिसर्च प्रपोजल निर्माण एवं सांख्यिकी के बारे में मदद मिली।

प्रायोगिक परीक्षा मार्गदर्शन

पाठ योजना के निर्देशन में विद्यार्थियों को समसामयिक विषय वस्तु के चयन हेतु प्रोत्साहित किया। नवीन समप्रत्ययों को छात्राध्यापक केन्द्रित पाठों के माध्यम से सुगम बनाने हेतु पाठ योजनाओं पर चर्चा हुई। छात्राध्यापकों ने ई-बैंकिंग, ई-बिज़नेस, ई-एडवरटाईज़मेंट, उर्जा के वैकल्पिक संसाधन, ग्रीन एनर्जी, जल संरक्षण के पारम्परिक स्रोत, किसी कवि या लेखक विशेष का गद्य या पद्य का अंश, शंख, यज्ञ का महत्त्व आदि प्रकरण चुने।

अनुभवों का संकलन

समीक्षात्मक बैठकों में लिए गए निर्णयानुसार वार्षिक पत्रिका "अनुबन्ध" में छात्राध्यापकों के अनुभवों का संकलन होगा; प्रार्थना सभा नए पाठ्यक्रम के अनुसार होगी; अभिव्यक्ति के वैकल्पिक अवसर देने हेतु परिषद्वार भित्ती पत्रिका निर्माण, योग एवं प्राणायाम नियमित होंगे। प्राचार्या डॉ. सुगन शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित बैठकों में नैक की आवश्यकतानुसार आईक्यूएसी सेल का गठन, ग्रीवांस रिडर्सल सेल ए एवं पूर्व छात्र परिषद की वर्ष में कम से कम तीन मिटिंग करने व उसके मिनिट्स का रिकॉर्ड रखने, न्यूज लैटर प्रकाशित करने तथा सुझाव पेटी लगाने का निर्णय लिया गया। इस मौके पर अन्य मुद्दों पर निर्णय लेते हुए बी.एड. के वर्तमान में परिवर्तित दो वर्षीय पाठ्यक्रम पर भी चर्चा की गई।

जाना कैसी हों किताबें

महाविद्यालय में आयोजित पुस्तक समीक्षा कार्यशाला में छात्राध्यापकों ने एन.सी.ई.आर. टी. की भाषा, विज्ञान, गणित तथा कॉमर्स की पुस्तकों की समीक्षा की। इसमें मुखपृष्ठ के रंग संयोजन, चित्रों, दैनिक जीवन से सम्बन्धित, उदाहरणों, प्रश्नों, विषयवस्तु के प्रस्तुतीकरण के अधिक सैद्धांतिक होने व कल्पनाशील गतिविधियों के समावेश आदि पर टिप्पणियाँ की। डॉ. अशोक श्रीवास्तव ने राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा-2005 के आधार पर पुस्तक के निर्देशक सिद्धान्तों से विद्यार्थियों को अवगत कराया।

कम लागत में शिक्षण सामग्री निर्माण

विद्या भवन गो. से. शिक्षक महाविद्यालय में सीटीई विभाग द्वारा आयोजित सेवारत द्वितीय श्रेणी अध्यापकों की कार्यशाला में महाविद्यालय की तारा कुमावत एवं कुमुद पुरोहित ने संदर्भ व्यक्ति के रूप में भाग लिया। उन्होंने भाषा के अध्यापकों से महात्मा बुद्ध के जीवन से सम्बन्धित कहानियों पर वर्ग पहेली, विज्ञान के अध्यापकों से पेटी स्कोप, एलाइडो स्कोप, सौर ऊर्जा पर आधारित कुकर, प्रकाश अपवर्तन व परावर्तन के मॉडल व सामाजिक विज्ञान के अध्यापकों से सौर मण्डल, जल संरक्षण विधि ग्रहण से सम्बन्धित मॉडल व भारत भौगोलिक, प्राकृतिक व राजनीति मानचित्रों का निर्माण बिना ट्रेसिंग टेबल के करवाया।

कार्यशाला में मॉडल तैयार करते प्रतिभागी

सहायक सामग्री निर्माण कार्यशाला

छात्राध्यापकों के लिए कम्प्यूटर प्रायोगिक कक्षाओं तथा दृश्य-श्रव्य सामग्री व आशुरचित उपकरण निर्माण कार्यशाला हुई। इस मौके पर उन्होंने एलसीडी प्रोजेक्टर, ओएचपी, मानचित्र, चार्ट एवं मॉडल का प्रयोग करना सीखा।

रिपोर्टर : कुमुद पुरोहित

विद्या भवन कला संस्थान बी.एस.टी.सी.

अन्तरांकन परीक्षा 2014–15

बी.एस.टी.सी. प्रथम व द्वितीय वर्ष की अन्तरांकन परीक्षाएँ आयोजित की गई। बी.एस.टी.सी. नवीन पाठ्यक्रम के अनुसार प्रथम वर्ष का द्वितीय परख 10 विषयों के लिए हुआ। विद्यार्थी शिक्षकों ने इस दौरान अनुशासन बनाए रखा। महाविद्यालय के सभी विद्यार्थी शिक्षकों की अन्तरांकन परीक्षाओं में उपस्थिति शत-प्रतिशत रही, साथ ही परिणाम भी गुणात्मकता के साथ संतोषप्रद रहे।

सत्रीय कार्य जाँच एवं प्रस्तुतीकरण

बी.एस.टी.सी. पाठ्यक्रम में सत्रीय कार्यों का विशेष महत्त्व है। इनकी महत्ता निर्धारण हेतु अंकन प्रक्रिया में भी स्थान सुनिश्चित किया हुआ है। द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी शिक्षकों के सत्रीय कार्य जाँच एवं प्रस्तुतीकरण सम्बन्धी कार्य में विषय से सम्बन्धित महत्त्वपूर्ण बिन्दुओं एवं नवाचारों को प्रस्तुत किया। महत्त्वपूर्ण बिन्दुओं एवं नवाचारों में स्क्रैप बुक, मॉडल, प्रारूप, चार्ट आदि प्रमुख थे। विषय प्राध्यापकों ने विद्यार्थी शिक्षकों द्वारा प्रस्तुत किए गए सत्रीय कार्यों की जाँच की।

आबू के पर्यावरण, इतिहास को जाना

संस्थान के विद्यार्थी शिक्षक व संकाय सदस्य शैक्षिक भ्रमण के लिए माउण्ट आबू गए। भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थी शिक्षकों को पहाड़ों के पर्यावरणीय वातावरण से अनुभूत करवाना एवं आबू के ऐतिहासिक स्थलों की पृष्ठभूमि व उनके महत्त्व का ज्ञान कराना था। विद्यार्थी शिक्षकों ने देलवाड़ा जैन मन्दिर, सोमनाथ मन्दिर, गुरु शिखर, अर्बुदा देवी, नक्की झील एवं पीस पार्क का भ्रमण किया।

राष्ट्रीय शोध कार्यशाला

विद्या भवन गो. से. शिक्षक महाविद्यालय (सी.टी.ई.) द्वारा आयोजित रिसर्च मेथेडोलॉजी राष्ट्रीय कार्यशाला में सभी संकाय सदस्यों ने भाग लिया। कार्यशाला सहभागिता से प्राध्यापकों को शोध चयन से लेकर शोध सम्पन्न करने तक की अभिवृत्ति विकसित करने में मदद मिली।

अम्बेडकर जयन्ती मनाई

संस्थान में डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयन्ती मनाई गई। छात्रध्यापकों ने अम्बेडकर की शिक्षा, कार्यक्षेत्र, जीवन क्रम, संविधान प्रारूप में उनकी सहभागिता व विशिष्ट कार्यों पर चर्चा की।

शनिवारीय गतिविधियाँ

संस्कृत भाषा गिनती प्रतियोगिता:- संस्कृत भाषा में अंकों का ज्ञान एवं उच्चारण शुद्धता के महत्त्व को समझाने के लिए संस्कृत गिनती प्रतियोगिता हुई। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सीता डामोर व प्रियंका मीणा ने एवं द्वितीय स्थान सोहनी विश्नोई ने प्राप्त किया।

नाटक प्रतियोगिता:- छात्राध्यापकों में नाटक संबंधी विषय चयन, अभिनय क्षमता एवं मौखिक अभिव्यक्ति का विकास करने के लिए नाटक प्रतियोगिता हुई। प्रथम स्थान पिंक हाउस ने प्राप्त किया।

प्रायोगिक परीक्षा की तैयारी

बी.एस.टी.सी. प्रथम व द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी शिक्षकों की वार्षिक प्रायोगिक परीक्षा की तैयारी हेतु कक्षाएँ लगीं। प्रथम वर्ष के छात्राध्यापकों को कक्षा-1 से 5 हेतु पाठ योजना बनाने के निर्देश दिए गए। द्वितीय वर्ष के छात्राध्यापकों को कक्षा 6, 7 व 8 हेतु भाषा व अन्य विषयों में पाठ योजना बनाने व जाँच कार्य भी करवाया गया। अतिरिक्त कक्षाएँ लगाने से छात्राध्यापकों में आत्मविश्वास का संचार हुआ तथा वे शिक्षण में नवाचार अपनाने के लिए प्रेरित हुए।

माउण्ट आबू के शैक्षिक भ्रमण पर बी.एस.टी.सी. के छात्राध्यापक

प्रियंका चौधरी को पीएच.डी.

संस्थान की व्याख्याता डॉ. प्रियंका चौधरी को शिक्षा संकाय में "राजस्थान में आर.टी.ई. एक्ट 2010 के अन्तर्गत प्रारम्भिक शिक्षा के प्रबन्धन की यथास्थिति, समस्याएँ एवं भावी सम्भावनाएँ" विषय पर पीएच.डी. उपाधि प्रदान की गई। शोध में पाया गया कि उच्च प्राथमिक विद्यालयों में नामांकन में कमी, शिक्षा की गुणवत्ता, समानता, प्रवेश प्रक्रिया की स्थिति अधिक चिन्तनीय है। बाल श्रम व ग़रीबी बच्चों के नामांकन में कमी के लिए महत्त्वपूर्ण मुद्दा हैं। शोध के उद्देश्य में 60-90 प्रतिशत शिक्षकों व प्रशासकों ने आर.टी.ई. को शिक्षा के गुणवत्ता स्तर को सुदृढ़ करने का सशक्त माध्यम माना है। जबकि 70 प्रतिशत प्रधानाध्यापक इसे लाभदायक नहीं मानते हैं। शोधकर्त्ताओं द्वारा आर.टी.ई. के सफल प्रबन्धन हेतु सुझावात्मक मॉडल प्रस्तुत किया गया है।

निःशुल्क संस्कृत प्रशिक्षण शिविर

संस्थान की संस्कृत व्याख्याता दुर्गा कुमावत ने भारत संस्कृत परिषद् उदयपुर द्वारा आयोजित आवासीय संस्कृत प्रशिक्षण व्यक्तित्व विकास शिविर व संस्कृत निदेशालय, जयपुर द्वारा आयोजित संस्कृत रचना धर्मिता विकास शिविर में संदर्भ व्यक्ति के रूप में भाग लिया। शिविर में उन्होंने द्वितीय श्रेणी व तृतीय श्रेणी के 110 संस्कृत वरिष्ठ अध्यापकों को प्रशिक्षण दिया।

रिपोर्टर : पूनम दवे

विद्या भवन कृषि विज्ञान केन्द्र

www.vbkvk.org

बिना मिट्टी के उगेंगी सब्जियाँ!

अब किसान बिना मिट्टी के कृत्रिम माध्यम से सब्ज़ियों का उत्पादन कर सकेंगे। यही नहीं भूमि की कमी होने पर वे अपने घर की छतों पर भी सब्जियाँ उगा सकेंगे। यह तकनीक विद्या भवन कृषि विज्ञान केन्द्र पर 18 वर्ष से ऊपर की आयु के बेरोजगार युवकों को यहां लगे आवासीय प्रशिक्षण में सिखाई जा रही है। युवकों को फल, फूल एवं सब्जी उत्पादन की नई तकनीकी एवं इनमें आने वाली समस्याओं से निपटने के बारे में भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षणार्थियों को पौधे तैयार करने की विधियों के बारे में भी बताया जा रहा है ताकि वे पौधशाला के क्षेत्र में ज्ञान अर्जित करके स्वयं का व्यवसाय शुरू कर सकें।

पौधे तैयार करते प्रशिक्षणार्थी

ख़रीफ फसलोत्पादन पर प्रशिक्षण

केन्द्र द्वारा मावली तहसील के 25 कृषकों पांच दिवसीय आवासीय ख़रीफ फसलोत्पादन पर प्रशिक्षण दिया गया। कृषकों ने केन्द्र की महत्ता एवं उपयोगिता जानी तथा केन्द्र की इकाइयों का अवलोकन किया। प्रशिक्षण के दौरान मानव आहार में ख़रीफ खाद्यान्न, दलहनी एवं तिलहनी फसलों का महत्त्व, फसलोत्पादन हेतु मृदा एवं सिंचाई जल एकत्रित करने की वैज्ञानिक विधि, विशिष्ट मक्का उत्पादन की उन्नत तकनीक, खरीफ फसलोत्पादन में मौसम का पूर्वानुमान, मक्का उत्पादन की उन्नत तकनीक, खरीफ दलहन एवं तिलहन फसलोत्पादन की उन्नत तकनीक, ख़रीफ खाद्यान्न में समन्वित कीट नियंत्रण, ख़रीफ फसलोत्पादन में जीवाणु खादों का महत्त्व एवं उपयोग, बैंक द्वारा संचालित योजनाएँ, बीजोत्पादन की उन्नत तकनीक, ख़रीफ दलहनी एवं तिलहनी फसलों में समन्वित पौध संरक्षण, कंपोस्टिंग की विभिन्न विधियाँ, वैज्ञानिक विधि से सुरक्षित अनाज भण्डारण जैसी योजनाओं से अवगत करवाया गया।

ख़रीफ फसल पर प्रशिक्षण

बकरी पालन का प्रशिक्षण

केन्द्र पर आदिवासी क्षेत्रों में बकरी-पालन विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण लगा। प्रशिक्षण में 13 महिलाओं सहित 18 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण को वर्ल्ड विजन, उदयपुर ने प्रायोजित किया।

पशुधन सहायक हुए प्रशिक्षित

गाँवों में पशुओं के गर्भधारण की सफलता दर को बढ़ाने व पशुधन सहायको को उनके कार्य में पारंगत करने के उद्देश्य से केन्द्र पर कृत्रिम गर्भाधान विषयक 15 दिवसीय प्रशिक्षण लगा। प्रशिक्षण में 29 पशुधन सहायकों ने भाग लिया।

केन्द्र पर अज़ोला इकाई

पशुओं में विकास व उत्पादकता बढ़ाने के उद्देश्य से केन्द्र पर अज़ोला इकाई लगाई गई। अज़ोला चारा पोषक तत्वों का भरपूर स्रोत है। भविष्य में इस तकनीक को पशुपालकों के बीच अधिक से अधिक प्रचारित करने की योजना है।

बढ़ेगा तिलहन उत्पादन

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अन्तर्गत तिल की उत्पादकता एवं बीज प्रतिस्थापन दर को बढ़ाने के लिए तिल की नवीनतम् उन्नत किस्म आर.टी.-351 का प्रदर्शन 6 गाँवों में 100 किसानों के यहां 20 हैक्टेयर क्षेत्रफल में 6 गांवों में लगाया जाएगा। यह कार्यक्रम राजस्थान सरकार के कृषि विभाग के तत्वावधान में आगामी ख़रीफ के मौसम में आयोजित होगा। कार्यक्रम आयोजन के पूर्व कृषकों को गाँव स्तर पर तिल उत्पादन की उन्नत तकनीक पर प्रशिक्षण दिया गया।

टैक्नो-पार्क की कार्ययोजना

खरीफ फसल के दौरान केन्द्र के तकनीकी प्रक्षेत्र में फसल उत्पादन से संबंधित प्रदर्शन होंगे। इनमें मक्का की 12 एवं बी.टी.कॉटन की 5 किस्मों का प्रदर्शन होगा। सोयाबीन की किस्मों की उपलब्धता के आधार पर लगभग 10-15 किस्मों का प्रदर्शन किया जाएगा। मक्का फसल में विभिन्न पलवार (मल्च) उत्पदकता पर प्रभाव मक्का की फसल में गेहूँ के भूसे एवं प्लास्टिक पलवार का उत्पादकता पर प्रभाव का प्रयोग कर पहली बार अनुसंधान किया जाएगा। इसी प्रकार, विभिन्न पौध संख्या घनत्व का मक्का की उत्पादकता पर क्या प्रभाव पड़ता है, जाँचा जाएगा। सब्ज़ी उत्पादन के संबंध में हल्दी की चार तथा टमाटर, मिर्च, शकरकन्द, बैंगन का भी प्रदर्शन होगा। कन्दवाली सब्ज़ियों का प्रदर्शन राजस्थान कृषि महाविद्यालय के उद्यानिकी विभाग के तत्वावधान में लगाया गया।

सुझावों को किया शामिल

वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक केन्द्र के संरक्षक डॉ. एस.एल. मेहता की अध्यक्षता में हुई। बैठक में कृषि वैज्ञानिकों, कृषकों एवं महिला कृषकों ने भाग लिया। बैठक के दौरान कृषि वैज्ञानिकों द्वारा दिए गए सुझावों को केन्द्र की कार्ययोजना में सम्मिलित करते हुए कार्य करने का निर्णय लिया गया।

वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक

रिपोर्टर : रागिनी राणावत

विद्या भवन शिक्षा सन्दर्भ केन्द्र

www.vberc.org

छत्तीसगढ़ डाइट पर शोध

छत्तीसगढ़ राज्य में डाइट की कार्यविधि, उपलब्ध संसाधनों (अकादमिक एवं ग़ैर अकादमिक) उनकी उपयोगिता, चुनौतियों और वर्तमान स्थिति को समझने के लिए यूनिसेफ द्वारा एक शोध करवाया जा रहा है। शिक्षा सन्दर्भ केंद्र ने छत्तीसगढ़ की खैरागढ़, कोरिया तथा जसपुर डाइट की जिम्मेदारी ली है। इसके तहत पहले चरण में पाँच दिन (4 मई से 10 मई, 2015) का अवलोकन कार्यक्रम गत तिमाही में सम्पन्न हुआ, जिसकी प्रारम्भिक समीक्षात्मक रिपोर्ट यूनिसेफ को भेज दी गई है। इस हेतु प्रस्तावित अगले चरण का अवलोकन जुलाई में किया जाएगा जिसमें डाइट द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों की गुणवत्ता तथा स्कूलों के साथ डाइट के सम्बन्धों को समझने का प्रयास किया जाएगा।

उत्तरप्रदेश पाठ्यपुस्तकों की समीक्षा

उत्तरप्रदेश में सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट द्वारा समर्थित टी.सी.एल., नालन्दा एवं आगा खाँ फाउण्डेशन बहराइच जिले के तीन ब्लॉक में शिक्षा, कृषि एवं आँगनवाड़ी से सम्बन्धित क्षेत्रों में सुधार हेतु प्रयत्नशील है। शिक्षा केन्द्र ने जिले में विभिन्न संस्थाओं द्वारा किए जा रहे प्रयासों को समझने एवं भविष्य में काम के लिए क्षेत्र पहचानने की कवायद में हिस्सेदारी निभाई। केन्द्र के चार सदस्यों ने 2 से 19 अप्रैल के मध्य कार्यक्षेत्रों का अवलोकन किया तथा शिक्षकों से विभिन्न मुद्दों और प्रशिक्षणों से जुड़ी उनकी समझ के बारे में बात की। वहाँ की पाठ्यपुस्तकों की समीक्षा कर उनमें संशोधन की संस्तुति की गई।

हज़ीरा में बनाई वर्कशीट

केन्द्र की हज़ीरा शाखा द्वारा संचालित एक्टिविटी सेन्टर्स के नए सत्र के लिए अनुदेशकों के साथ मिलकर वर्कशीट एवं गतिविधियों के लिए एकीकृत योजना बनाने के लिए तीन दो दिवसीय बैठकें आयोजित की गई। अनुदेशकों की विषयगत समझ को गहरा करने हेतु गतिविधि एवं उसके उद्देश्यों पर चर्चा की गई; साथ ही कक्षा-5 से 8 के बच्चों के लिए अंग्रेजी की 12, गणित की 16 तथा गुजराती की 16 वर्कशीट्स विकसित की गई। गत तिमाही में 680 बच्चों को 3 वर्कशीट उपलब्ध करवाई गई।

शाखा के सहयोगियों द्वारा हजीरा क्षेत्र में खेल संस्कृति के विकास के लिए स्कूलों में वॉलीबॉल, कबड्डी एवं खो-खो के लिए तीन टीमें बनाई है; जो जुलाई में होने वाली तालुका स्तर की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेंगी।

ग्रीष्मावकाश में केन्द्र द्वारा तीन प्राथमिक स्कूलों (जूनागाम, भतलाई और मौरा) में नृत्य एवं आर्ट एण्ड क्राफ्ट हेतु अभिरुचि कक्षाएं आयोजित की गई; जिनमें 350 बच्चों ने भाग लिया। इस दौरान भलाई वाँस्वा स्कूल के 65 बच्चों को 'साइन्स सिटी' का भ्रमण करवाया गया, जहाँ बच्चों ने विभिन्न मॉडल्स द्वारा विज्ञान के सिद्धान्तों एवं यंत्रों को समझा।

साइन्स सिटी में मॉडल का अवलोकन करते बच्चे

अनुभव

सीखने की कोई उम्र नहीं होती - स्कूल के न्यूज़ लैटर से सीखी रिपोर्टिंग

सीखने का सबसे अच्छा तरीका है– "करके सीखना" और सीखना उम्र का मोहताज नहीं होता। जब तक किसी व्यक्ति की इच्छा शक्ति प्रबल है तो वह उम्र के किसी पड़ाव में कुछ भी सीख सकता है।... शायद ऐसा ही कुछ मेरे साथ हुआ। 2013 में बेसिक स्कूल में जॉइनिंग के समय शैक्षणिक कार्य के साथ-साथ विद्यालय की प्रतिमाह होने वाली गतिविधियों पर "न्यूज़ लेटर" लिखने की भी जिम्मेदारी सौंपी गई। यह जिम्मेदारी मेरे लिए नवीन, चुनौतीपूर्ण व महत्त्वपूर्ण थी क्योंकि इसके द्वारा मुझे अपने आपको प्रधानाचार्या की आशाओं पर खरा साबित होना था। लेकिन यह कार्य इतना आसान भी न था क्योंकि मेरा हिन्दी साहित्य से दूर-दूर तक कोई रिश्ता न था, और शब्दों का चयन मेरे लिए काफी कठिन था। कहा जाता है न कि "जहाँ चाह है, वहाँ राह है।" मैंने जुलाई का लेखा-जोखा अपनी क्षमतानुसार लिखित में प्रधानाचार्या के सम्मुख प्रस्तुत किया वह अस्वीकृत हो गया। लेकिन उसके साथ ही कुछ सुझाव भी प्राप्त हुए। मैंने पुनः लिखा लेकिन वह भी आशा के अनुरूप न था। मैंने तीसरी बार फिर लिखा, जिसे स्वीकृति के साथ सराहना भी मिली। प्रधानाचार्या व सहकर्मियों के प्रोत्साहन से मेरे कार्य को और अधिक दक्षता मिली।

इस न्यूज रिपोर्टिंग कार्य से मेरा स्वाध्याय के प्रति रुझान बढ़ा। प्रोफेशनल रिपोर्टर्स द्वारा लिखी गई रिपोर्ट पर गहनता से विचार करने लगी। आज भी मैं अपनी लिखी न्यूज़ में कमियों का स्वमूल्यांकन करके उन्हें दूर करने के लिए प्रयासरत रहती हूं। इन दो वर्षों के कार्यकाल में मेरा अनुभव रहा है कि उम्र के किसी भी पड़ाव में स्वयं करके कुछ भी नया सीखा जा सकता है और "कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।"

–पुष्पा राजपूत, इतिहास शिक्षिका, विद्या भवन उ.मा. विद्यालय, रामगिरि

कल्याणकारी योजनाएँ कितनी प्रभावी

विभिन्न सरकारी योजनाओं की पिछड़े वर्ग पर होने वाली प्रभाविता को जानने के लिए शिक्षा केंद्र आई.आई.एम., उदयपुर के साथ एक शोध के जरिये जुड़ा है इसके लिए विभिन्न प्रकार के शोध उपकरणों के अनुवाद एवं संशोधन का काम किया गया। 3 दिन की वर्कशॉप में इन उपकरणों के साथ वल्लभनगर तहसील के दो गाँवों से आँकड़ों का संकलन किया गया तथा इन्हें प्राप्त करने में आई समस्याओं एवं इनके विश्लेषण पर बात की गई। इस आधार पर एक पायलटिंग रिपोर्ट तैयार की गई।

इसी सन्दर्भ में अगली तिमाही में संशोधित उपकरणों के साथ एक दिवसीय कार्यशाला प्रस्तावित है तथा जुलाई माह से डाटा संकलन का कार्य शुरू किया जाएगा।

शिक्षकों का उन्मुखीकरण

छत्तीसगढ़ राज्य के लिए पिछले वर्ष बनाई गई कक्षा-9 की पाठ्यपुस्तकों के कक्षाओं में बेहतर इस्तेमाल के लिए प्रत्येक विषय में राज्य के 60 शिक्षकों के लिए छः दिवसीय उन्मुखीकरण किया गया। इसके साथ ही कक्षा 10 की पाठ्यपुस्तकों का निर्माण कार्य आरम्भ कर दिया गया है।

लाइब्रेरी कोर्स का फॉलोअप

विद्या भवन एवं सर रतन टाटा ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में बने 'लाइब्रेरी एजुकेटर्स कोर्स' की पायलेटिंग के बाद बुक वर्म, गोआ द्वारा 25 से 27 जून तक तीन दिवसीय कार्यशाला में कोर्स के बाद बच्चों के साथ पुस्तकालय से सम्बन्धित किए गए कार्यों और गतिविधियों को साझा किया गया। साथ ही ट्रस्ट द्वारा कोर्स के मूल्यांकन हेतु प्रतिभागियों से टेलिफोनिक बातचीत के ज़रिये फीडबैक लिया गया।

लर्निंग कैम्प में अकादमिक सहयोग

ग्रामीण बच्चों के अकादमिक स्तर में सुधार के लिये सेवा मंदिर द्वारा 20 मई से 25 जून के दौरान विद्या भवन पब्लिक स्कूल में आवासीय लर्निंग कैम्प का आयोजन किया गया। इस कैम्प में विभिन्न विषयों हेतु अकादमिक सहयोग देकर शिक्षा केन्द्र ने अपनी भागीदारी निभाई। ये 52 बच्चे कोटड़ा, गिर्वा, खेरवाड़ा और झाड़ोल ब्लॉक से थे जिन्हें सेवा मन्दिर से स्कॉलरशिप मिलती है। ये कक्षा 8, 9 व 10 में नियमित व आयु के अनुसार (आर.टी.ई.) विद्यालयों से जुड़े थे। शुरुआत मे इनका आधाररेखा मूल्यांकन किया गया। केंद्र की भाषा (हिंदी व अंग्रेज़ी), गणित एवं विज्ञान की टीम ने इनके स्तर के अनुरूप अपनी योजनाओं में संशोधन किया ताकि सीखने को सुनिश्चित किया जा सके। कैम्प खत्म होने पर उपलब्धि स्तर का मूल्यांकन किया गया।

भाषा में टीम का फोकस पढ़कर समझने की क्षमता एवं स्तरानुकूल टैक्स्ट उपलब्ध करवाने पर था जबकि गणित में अवधारणाओं की समझ एवं उनके अभ्यास पर जोर था। विज्ञान टीम की कोशिश थी कि बच्चे स्तरानुकूल अवधारणाओं को समझने के साथ-साथ वैज्ञानिक तरीके से सोच पाएं और तद्नुरूप शब्दावली का प्रयोग भी कर पाएं ताकि बाद में फॉलोअप के लिए मुद्दों और तरीकों की पहचानी जा सके।

लर्निंग कैम्प में चर्चा करते बच्चे

भाषा शिक्षण की तैयारी

भाषा सीखने-सिखाने से जुड़े विमर्श को हिन्दी भाषी शिक्षकों एवं शिक्षा से जुड़े लोगों तक पहुँचाने की दूसरी कड़ी के तहत पिछले छः महीनों के दौरान काम हुआ। यह प्रयास भाषा के सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक पक्षों के साथ-साथ महत्त्वपूर्ण मुद्दों पर समकालीन शोधों को प्रस्तुत करता है। यह अंक अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय और विद्या भवन सोसायटी द्वारा संयुक्त रूप से प्रकाशित पत्रिका एल.एल.टी. (अंक-4, 5 एवं 6) पर आधारित है। इस प्रक्रिया के दौरान एल.एल.टी. में से भाषा शिक्षण से जुड़ी ऐसी सामग्री की पहचान की गई जो हिन्दी भाषी क्षेत्र के लिए भी प्रासंगिक हो। तत्पश्चात् चयनित सामग्री को अनुवादित एवं सम्पादित किया गया, जिसको अंतिम रूप दिया जा रहा है

रिपोर्टर : डॉ. कामिनी उपाध्याय

विद्या भवन फैकल्टी डवलपमैण्ट कमेटी

प्रश्नों की सुगमता का स्तर तय किया

विद्या भवन के तीनों स्कूलों के शिक्षकों के लिए आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला में शिक्षकों ने प्रश्न-पत्र व अच्छे प्रश्नों पर समझ बनाई। कार्यशाला में शिक्षकों द्वारा बनाए गए प्रश्न-पत्रों का विश्लेषण किया गया। प्रश्न-पत्र पर बच्चों द्वारा दिए गए जवाबों के आधार पर प्रश्नों की सुगमता का स्तर तय किया गया। सन्दर्भ व्यक्ति अकादमिक सलाहकार कमल महेन्द्रू थे। शिक्षकों ने प्रश्न पत्रों के आधार पर प्रश्नों की उपयोगिता, प्रश्नों में कौशलों का मूल्यांकन समाहित करने आदि पर समझ बनाई। साझा सत्र के बाद संभागियों ने समूह में प्रश्न-पत्रों की सुगमता स्तर का सूत्र की सहायता से विश्लेषण कर बड़े समूह में प्रस्तुतीकरण किया। अन्तिम दिन शिक्षा सन्दर्भ केन्द्र के निदेशक प्रसून कुमार ने अंग्रेज़ी भाषा संप्रेषण कौशल विकास के लिए प्रस्तावित कोर्स मॉड्यूल की रूपरेखा प्रस्तुत की। इसकी कुछ गतिविधियों को संभागियों ने किया। पाठ्यक्रम संभागियों की रुचि के आधार पर आगामी सत्र में प्रस्तावित है।

कार्यशाला में संभागियों से रूबरू होते कमल महेन्द्रू

रिपोर्टर : डॉ. भगवती अहीर

विद्या भवन स्थानीय स्वशासन एवं उत्तरदायी नागरिकता संस्थान

www.vbilsgrc.org

महिला सम्मेलन में मुखर हुईं बड़गाँव की जनप्रतिनिधि

संस्थान की ओर से 24 जून को बड़गाँव पंचायत समिति के सभागार में महिला सम्मेलन हुआ, जिसमें ब्लॉक की 35 महिला जनप्रतिनिधि शामिल हुईं।

उप प्रधान ऊषा डाँगी ने कहा कि महिला जनप्रतिनिधियों को अपनी बात बेहिचक कहनी चाहिए। खुले सत्र में महिला जनप्रतिनिधियों ने माँग की कि पंचायत समिति की साधारण सभा की बैठक में यू.आई.टी., विद्युत एवं जलदाय विभाग के अधिकारियों को भी बुलाया जाए ताकि पेराफेरी के गाँवों की समस्याओं का समाधान हो। मदार सरपंच रेणु उपाध्याय ने कहा कि स्कूल व घरों के पास से गुज़रती 11 हज़ार के.वी. की विद्युत लाईन का विकल्प तलाशें अन्यथा हादसे हो सकते हैं।

वार्ड पंच संगीता चौबीसा ने बताया कि शौचालय निर्माण के लिए फार्म भरने वाले पात्रजनों को राशि जारी नहीं की गई है। कड़ियाँ की वार्डपंच सविता ने संस्थान में प्रशिक्षण के बाद प्राथमिक विद्यालय के अवलोकन के अनुभव सुनाए तथा स्कूली शिक्षा के निम्न स्तर पर चिन्ता जताई। लेखाधिकारी हरीश दशोरा ने बताया कि किस प्रकार जनप्रतिनिधि अधिकतर कार्य पंचायत के बजट एवं सामुदायिक योगदान से करवा सकते हैं। उन्होंने ग्राम पंचायत एवं पंचायत समिति में बजट के विभिन्न मदों की जानकारी देते हुए वित्तीय मामलों में पारदर्शिता बरतने का आग्रह किया।

ब्लॉक प्रारम्भिक शिक्षा अधिकारी अविनाश जैन ने विशेष रूप से बालिका शिक्षा पर जानकारी देते हुए सरकार के द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का विद्यार्थियों को लाभ दिला कर नए सत्र में नामांकन बढ़ाने का आग्रह किया। विद्या भवन कृषि विज्ञान केन्द्र के मोती सिंह राठौड़ ने कृषि व पशुपालन के ज़रिए आय संवर्द्धन के बारे में बताया। त्रैमासिक न्यूज़लैटर 'पंचायत परिवार' व 'महिला शक्ति' से नवीनतम जानकारियों पर चर्चा की गई।

संस्थान की ओर से महिला जनप्रतिनिधियों के लिए तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण किए जा रहे हैं। इसके फॉलोअप में ब्लॉक स्तर पर महिला सम्मेलन किए जाते हैं।

पैनी की 'समाचार के लिए दृष्टि'

विद्या भवन के मीडिया सेण्टर "विद्या भवन प्रसार केन्द्र" के लिए पायलटिंग की गई। इसके लिए विद्या भवन के रिपोर्टर्स् के लिए 29 जून को 'समाचार के लिए दृष्टि' विषयक कार्यशाला की गई। संदर्भ व्यक्ति द टाइम्स ऑफ इण्डिया की संवाददाता गीथा पिल्लई एवं दैनिक नवज्योति के संवाददाता रमाकांत शर्मा थे। दोनों संवाददाताओं के अनुभव एवं अख़बार के उदाहरण रिपोर्टर्स् में ख़बर बनाने के लिए नज़र विकसित करने में सहायक हुए। रिपोर्टर्स् ने कार्यशाला के दौरान ख़बरें बनाई जिन पर संवाददाताओं ने अपनी राय दी। अंत में कार्यशाला के मूल्यांकन के लिए रिपोर्टर्स् ने प्रपत्र भरें।

...पृष्ठ 1 का शेष

के पुस्तकालय में उपलब्ध हो और इनसे उभरे विमर्श पर समय-समय पर चर्चा हो।

नया संविधान

वर्ष 2013 में विद्या भवन का नया संविधान बनाया गया। इसका मुख्य उद्देश्य नए दौर में नई पीढ़ी को विद्या भवन के विचार एवं लक्ष्य के अनुरूप संचालन के लिए मार्गदर्शक दस्तावेज़ उपलब्ध कराना था।

लोकतान्त्रिक एवं भागीदारीपूर्ण व्यवस्था

विद्या भवन के संचालन में लोकतन्त्र और भागीदारी का तत्व प्रबल रहा है। सोसायटी के स्तर पर 'अकादमिक सलाहकार समिति' के रूप में संस्थाओं की भागीदारी बढ़ी है। वर्ष 2012 में इसी समिति ने संस्था प्रधानों और हर संस्था के प्रतिनिधि कार्यकर्ताओं के साथ संस्थागत विकास की योजनाएँ बनाईं और 2014 में इनकी प्रगति की समीक्षा की।

सोसायटी की कार्यकारिणी के निर्वाचित सदस्यों को एक-एक संस्था की प्रगति की ज़िम्मेदारी सौंपी गई, जिसका वे बख़ूबी निर्वाह कर रहे हैं।

इस अर्थ-प्रधान युग में यह तथ्य भी कम महत्व का नहीं है कि विद्या भवन का संचालन स्वैच्छिकता के आधार पर किया जा रहा है।

मैं बोर्ड ऑफ कण्ट्रोल, कार्यकारिणी, साधारण सभा के सभी सदस्यों, संस्था प्रधानों और सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करता हूँ, जिनका सहयोग और स्नेह मुझे निरन्तर प्राप्त हुआ। विद्यार्थी जीवन से अब तक विद्या भवन के साथ मेरा जो भावनात्मक जुड़ाव रहा है, वह हमेशा जारी रहेगा। किन्तु मैं भावना से ज़्यादा तर्क को महत्त्व देता हूँ, उम्मीद है कि विद्या भवन से भावनात्मक लगाव रखने वाले सभी लोग इसे एक तर्कशील और वैज्ञानिक सोच वाली संस्था के रूप में आगे ले जायेंगे।

Book-Post (Printed Matter)

If undelivered please return to:

Vidya Bhawan Education Resource Centre
Vidya Bhawan Society Campus,
Dr. Mohan Sinha Mehta Marg,
Fatehpura, Udaipur (Raj.) - 313004.
Phone : 0294-2451497
E-mail : vbkhojkhabar@gmail.com
Website: www.vberc.org / www.vidyabhawan.org

To,

....

....

....

....

izdk'kd % fo|k Hkou f'k{kk lnHkZ dsUnz] MkW- eksgu flag esgrk ekxZ] fo|k Hkou lkslk;Vh ifjlj] mn;iqj ¼jkt-½ Qksu % 0294&2451497
eqnzd % lqt; fizUVlZ] 71&efgyk e.My dh ikl] mn;iqj ¼jkt-½ Qksu % 9001000700] 9414316479